माघ शुक्ल पक्ष त्रयोदशी संवत् 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 226 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
10 फरवरी 2025 सोमवार

आज का मौसम
28 अधिकतम
11 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

आंदोलन से 'आप' तक की यात्रा पर 'ब्रेक'

शीशा हो या दिल हो आखिर टूट जाता है..., अब *आप* (केजरीवाल) का क्या होगा जनाबेआली?

हिंदी की एक मशहूर फिल्म आशा का एक मशहूर गाना था जो रीना राय पर फिल्माया गया था। 'शीशा हो या दिल हो, आखिर टूट जाता है।' दिल्ली विधानसभा चुनावों को लेकर बीते तीन महीने से जारी जद्दोजहद खत्म हो चुकी है। लेकिन उसका लब्बोवुआब इसी गाने के मंत्वयों के आसपास आकर ठहर जाता है। देश की तरूणाई के मन देश के सिस्टम के खिलाफ एक पुण्यआत्मा वाले समाजसेवी अण्णा हजारे की बैसाखियों के सहारे और आधुनिक भारत में काव्य की दुनिया के सबसे चमकते सितारे कुमार विश्वास के कंधों पर बंदूक रखकर इस आंदोलन को तत्तकालीन यूपीए सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए अरविंद केजरीवाल ने बड़ा जन आंदोलन खड़ा किया था। उनकी टीम में तब प्रशांत भूषण और उनके पिता जैसे नामी वकील भी शुमार थे, जिन्होंने कांग्रेस के तथाकथित बौद्धिक सामंतों की नाक में दम कर दिया था। वे सोनिया गांधी, मनमोहन सिंह, पी चिदंबरम जैसे यूपीए दिग्गज नेताओं की नाक में दम कर रहे थे।

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

केजरीवाल की फितरत समझने में दिल्ली को काफी देर लगी: बाकी लोगों की शख्सियत को तो मैं जानता था लेकिन एक पत्रकार के नाते तब मेरे मन में इस बात को लेकर काफी उत्सुकता थी कि ये अरविंद केजरीवाल कौन है। मेरी जिज्ञासा को मेरे घर के पड़ोस में रहने वाले एक अफसर नईमुद्दीन सिद्दीकी ने शांत किया था। कहते हैं न कि यदि किसी व्यक्ति की फितरत और उसकी असलियत को जानना हो तो उसके पड़ोसी से पूछिए जिससे उसका दिन रात पाला पड़ता है। एक दिन वो आए । बात चलने लगी और अचानक केजरीवाल का जिक्र आ गया। उन्होंने बताया कि उनकी भांजी का पति भी आईआरएस है। सिद्दी ने बताया दिल्ली में वह भांजी के घर गए तो घर में कुछ बच्चे खेल रहे थे। भांजी से जब पूछा कि ये कौन है तो उन्होंने बताया कि अण्णा आंदोलन के सबसे प्रमुख अरविंद केजरीवाल का बेटा है। तब वह काफी छोटा था। अरविंद की पत्नी सुनीता भी आईआरएस थी और नियमित रूप से नौकरी कर रहीं थी। सिद्दीकी ने जब भांजी से पूछा कि ये कैसे आदमी हैं। क्या वाकई ईमानदार हैं? भांजी ने मुंह बिदकाते हुए उनसे कहा- मामा हाथी के दांत खाने के और दिखाने के अलग होते हैं। सिद्दीकी साहब की बात सुनकर मैं हक्का बक्का रह गया। मैने थोड़ी पड़ताल की तो आईआरएस और आईआईटी पास आउट केजरीवाल का ध्यान नौकरी के बजाए अपने एनजीओ के जरिए देश विदेश से धन जुटाने में ज्यादा था। आगे तहकीकात की तो पता चला कि प्रधानमंत्री को लोकपाल के दायरे में लाने की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन के पीछे देशी वजहों और भ्रष्टाचार मिटाने की कम विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियों की दिलचस्पी ज्यादा थी। केजरीवाल अण्णा हजारे को यह दिलासा देते रहे कि आंदोलन पूर्णत:-गैर राजनीतिक है। आंदोलन मशहूर हो गया। इसी बीच केजरीवाल ने सभी को चौंकाते हुए कांग्रेस के विकल्प के रूप में आम आदमी पार्टी बनाने का ऐलान कर दिया। केजरीवाल की पहली वादाखिलाफी को देखकर अण्णा फौरन पीछे हट गए। 2013 के विधानसभा चुनाव में आधुनिक विकास की शिल्पी शीला दीक्षित को हराते हुए कांग्रेस को तीसरे स्थान पर धकेल दिया।

कांग्रेस के आत्मघात से उभरी आप: भाजपा 31 सीटों के साथ पहले स्थान पर थी लेकिन उसके पास बहुमत नहीं था। आप और कांग्रेस के सिवाए केवल तीन लोग ही जीते थे। इसलिए भाजपा कुछ कर पाती इसके पहले ही गांधी-नेहरू परिवारवादी पार्टी कांग्रेस की मुखिया सोनिया गांधी को किसी ने गणित पकड़ दिया कि केजरीवाल को समर्थन दे दो। बाद में पल्ला झाड़ लेंगे और आप का जल्द ही अंत हो जाएगा। केजरीवाल अपने बच्चे के सिर पर हाथ रखकर कसम खा चुके थे कि सरकार बनाने में व कांग्रेस का समर्थन लेंगे और न भाजपा का। लेकिन 149 दिनों दिल्ली का मुख्यमंत्री रहते हुए केजरीवाल ने कांग्रेस की पैरों तले की दरी खींची और मुख्यमंत्री पद छोड?र त्यागी पुरूष बन गए। दिल्ली जैसी समझदार मतदाताओं वाली मिनी इंडिया के मतदाता केजरी के ट्रेप में फंस गए और राष्ट्रपति शासनकाल के बाद हुए चुनाव में केजरीवाल ने कांग्रेस का सूपड़ा साफ कर दिया और भाजपा को हाशिए में ला दिया। 2019 के चुनाव में लोकसभा चुनाव में लगातार दूसरी बार बुरी तरह हारने के बाद राहुल गांधी अध्यक्ष पद त्यागकर कांग्रेस से हट गए और आप के लिए खुला मैदान छोड़ दिया। जाहिर है कि उसके बाद केजरीवाल का अंहकारी स्वरूप अपने विराट रूप सामने आने लगा। उन्होंने दूसरी बार मुख्यमंत्री बनने के बाद से ही ऐसे तमाम चेहरों को ठिकाने लगाना शुरू कर दिया जो उनसे उनकी आंखों में आंख डालकर बात करते थे। पता ही नहीं चला कि अण्णा आंदोलन से उपजी आम लोगों की पार्टी आप कब आम से खास या कहं कि केजरीवाल परिवार की पार्टी बन गई। इसके बाद केजरीवाल के आसपास ऐसे ही लोगों का घेरा था जो सिर्फ जी हुजूरी करते थे। कुमार विश्वास से लेकर प्रशांत भूषण और योगेंद्र यादव तक सभी किनारे लग गए।

स्वाति का अपमान और आतिशी पर मेहरबान : जेल में रहते हुए भी केजरीवाल मुख्यमंत्री बने रहे लेकिन किसी ने चूं-चपड़ नहीं की। जेल से बाहर आने के बाद उन्होंने उस आतिशी को चुना जो एनजीओ और वामपंथी पृष्ठभूमि से निकली थीं। 2008 के आसपास भोपाल-बैरसिया रोड पर हर्राखेड़ा गांव के पास जिन्होंने खेती में नवाचार के नाम पर लंबी चौड़ी जमीन खरीदी थी। एक आलीशान मकान भी वहां बना जिसे दिल्ली वाली हवेली के नाम से जाता था। इसमें कितना पैसा विदेशों से मिला यह देश की एजेंसियों की जांच का विषय है। लेकिन जेल से बाहर उन्होंने आतिशी को केवल आप को जनादेश मिलने तक मुख्यमंत्री बनाकर खड़ाऊं राज सौंपकर नारी जाति का अपमान किया। 2006 से उनके साथ काम करने वाली स्वाति मालीवाल को उन्होंने पिटवाया।

केजरीवाल के पक्ष में बेफिजूल दलीलें

आप ने यह राग अलापना शुरू कर दिया है कि मात्र 1 लाख 90 हजार वोटों की कमी के चलते सीटों में इतना बड़ा बदलाव आ गया। केजरीवाल कांग्रेस के संदीप दीक्षित को मिले साढ़े चार हजाार वोटों के कारण चार हजार वोटों से प्रवेश वर्मा के हाथों नई दिल्ली सीट हारे। जबकि हकीकत यह है 2019 में भी कांग्रेस मैदान में थी। लेकिन तब 31 हजार वोटों से जीतने वाले केजरीवाल को इस बार 25हजार वोट ही मिली हैं। यानि 35 हजार मतदाताओं ने उनको नकारा है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने 12 विधानसभा में चुनावी सभाएं ली और 11 में भाजपा जीती। यूपी से लेकर उत्तराखंड और हरियाणा के मुख्यमंत्री का भी बड़ा योगदान रहा। लेकिन पंजाब में आप सरकार के मुखिया भगवंत मान जहां भी लड़े वहां से हारे।

अब केजरीवाल का आगे क्या होगा?

केजरीवाल के अरमानों का शीशा भी टूट चुका है। दिल्ली का उनसे दिल भी टूट चुका है। बकौल स्वाति मालीवाल उनका देश का प्रधानमंत्री बनने का सपना भी बिखर चुका है। उनका शीशमहल भी इतना मनहूस हो गया है कि शायद ही उसमें कोई मुख्यमंत्री रहने जाए। इसका इस्तेमाल सरकारी गेस्ट हाऊस या विदेशी प्रतिनिधि मंडल को रूकाने के काम ही आ सकता है। या फिर लोगों को केजरीवाल की सादगी के वादे की याद दिलाने के लिए संग्रहालयनुमा कोई चीज बने। केजरीवाल यदि बैकडोर से एंट्री करके मान की जगह पंजाब का मुख्यमंत्री बनना चाहें तो यह मुमकिन नहीं हैं। राज्यसभा में दिल्ली से पुर्नवास करना चाहें तो 2030 में सीट खाली होने तक इंतजार करना पड़ेगा। पंजाब में 2028 में सीट खाली होंगी लेकिन इसके पहले 2027 में पंजाब विधानसभा के चुनाव हैं। वहां भी आप के दोबारा जीतने की उम्मीदें बेहद धुंधली है। कुल मिलाकर केजरी के सामने सियासी फलक अंधेरों से भरा है। उनकी चुनौती तो आप संयोजक का पद बनाए रखने और अपने जीते 22 विधायकों को बचाकर रखने की हैं।

राष्ट्रपति ने किया संगम स्नान, चारों तरफ जाम

प्रयागराज, एजेंसी

आज महाकुंभ का आज 29वां दिन है और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू संगम स्नान के लिये पहुंची हैं। वे आठ घंटे से अधिक समय तक प्रयागराज में रहेंगी। संगम में स्नान के साथ यहां अक्षयवट और लेटे हनुमान मंदिर में दर्शन-पूजन करेंगी। सीएम योगी और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल भी उनके साथ मौजूद हैं। राष्ट्रपति बमरौली एयरपोर्ट पर 11 बजे पहुंचीं और हेलिकॉप्टर से महाकुंभ नगर के अरैल क्षेत्र में उतरीं। स्नान के बाद उन्होंने गंगा की पूजा और आरती की। मुर्मू देश की दूसरी राष्ट्रपति हैं, जो प्रयागराज महाकुंभ में डुबकी लगाने आ रही हैं। उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने आज सुबह परिवार के साथ संगम में डुबकी लगाई। महाकुंभ में अब तक 43.57 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। जाम का असर कई राज्यों तक प्रयागराज शहर में जबरदस्त भीड़ देखते हुए अरैल घाट से संगम तक बोट आज बंद कर दी गई। संगम स्टेशन भी 14 फरवरी तक बंद किया गया। पूरे शहर में जाम के नजारे हैं वहीं मप्र के रीवा से प्रयागराज हाईवे पर तीन दिन से जाम लगा है। महाकुंभ में जाने व लौटने वाले अलग-अलग राज्यों के लोग इसमें फंसे हुए हैं। एमपी-यूपी बॉर्डर पर 5 हजार से ज्यादा वाहन फंसे हैं। जबलपुर से करीब 40 किमी पहले सिहोरा मार्ग भी जाम है। इसके अलावा कटनी, मैहर, सतना, रीवा और चाकघाट समेत कई जगहों पर महाकुंभ में जा रहे वाहनों को पुलिस और प्रशासन की टीम रोक रही है व लौटने का अनुरोध कर रही है। हालात यह है कि महाकुंभ में स्नान करने गई रायसेन की महिला की मौत के बाद परिजन उनका शव लेने प्रयागराज रवाना तो हुए, लेकिन भारी जाम के कारण उन्हें वहां पहुंचने में कठिनाई हो रही है। राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह भी कल जाम के कारण प्रयागराज नहीं जा पाए।

उधर, प्रयागराज में आज भी जबरदस्त भीड़ के चलते लोग परेशान हो रहे हैं। खबरों के मुताबिक लोग दस से पंद्रह घंटे तक कार में ही बैठे रहने को मजबूर हैं। उधर उप्र की सीमाओं पर पुलिस लगातार पहुंच रहे श्रद्धालुओं से अनुरोध कर रही है कि आप अभी लौट जाईये।

'परीक्षा पे चर्चा' के तहत बोर्ड परीक्षाओं के छात्रों से दिलचस्प संवाद

मोदी का फार्मूला: समय का शिकवा नहीं टाइम मैनेजमेंट सीखें, *जहां कम वहां हम*

नईदिल्ली, एजेंसी

'परीक्षा पे चर्चा' के वार्षिक कार्यक्रम के तहत आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दसवीं ओर बारहवीं के स्टूडेंट्स से बोर्ड परीक्षाओं को लेकर दिलचस्प बातचीत की। पीएम ने कहा- स्टेडियम में दर्शक फोर-सिक्स का शोर करते हैं, लेकिन बल्लेबाज का ध्यान सिर्फ बॉल पर होता है। आपको भी ऐसे ही सिर्फ पढ़ाई पर ध्यान लगाना चाहिए।उन्होंने कहा सभी के पास 24 घंटे होते हैं,कोई सब कुछ कर लेता है और कोई कहता है कि समय नहीं है। लिहाजा टाइम मैनेजमेंट सीखें। इधर, राजधानी भोपाल के सुभाष उत्कृष्ट स्कूल में इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया गया। इस बीच स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह विद्यार्थियों के साथ मौजूद रहे।

खास बात यह है कि इस बार दिल्ली में यह कार्यक्रम एक नए इंटरैक्टिव फॉर्मेट में हुआ है। इस बार इसमें कई सेलिब्रिटीज भी हिस्सा ले रहे हैं। पूरा इवेंट 8 एपिसोड में बांटा गया है जिसमें अलग-अलग फील्ड की 12 हस्तियां बच्चों के सवालों का जवाब देंगी। इस मौके पर पीएम ने चुटकी लेते हुए कहा- बिहार का लड़का राजनीति की बात न करे ऐसा कैसे हो सकता है। बिहार के लोग तेजस्वी होते हैं। लीडरशिप की परिभाषा कुर्ता-पायजामा, मंच पर भाषण देना नहीं है। आपको खुद को उदाहरण बनाना होता है। मॉनीटर कहेगा कि आप समय पर आइए फिर मैं आऊंगा। मगर उसे खुद वक्त पर आना होगा। अगर किसी को काम दिया तो उसकी कठिनाई पता करनी होगी। सिद्धांत बनाइए- जहां कम, वहां हम। मोदी ने अपनी स्कूल की यादों को ताजा करते हुए बताया कि कैसे उनके शिक्षक उनकी हैंडराइटिंग सुधारने की पूरी कोशिश करते रहे, लेकिन इसके बावजूद उनकी लिखावट में सुधार नहीं हुआ बल्कि उनके शिक्षकों की हैंडराइटिंग और सुंदर हो गई। पंजाब, त्रिपुरा, केरल, बिहार, गया, राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों के छात्र इस आयोजन में शामिल हुए।

इस बार ये मेहमान भी : इस बार के परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण, विक्रांत मैसी, भूमि पेडनेकर, महिला बॉक्सिंग चैंपियन मैरी कॉम, सदुरु, पैरा एथलीट अवनी लेखरा, पोषण विशेषज्ञ रुजुता दिवेकर, माइंड कोच सोनाली सभरवाल, वेंचर कैपिटलिस्ट रेवंत हिमात्सिंगका, एचटीसी इंडिया की सीईओ राधिका गुप्ता और टेक गुरु गौरव चौधरी शामिल होंगे।

मप्र : महिलाओं के खाते में 1553 करोड़ भेजे

इधर, मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज देवास जिले की सोनकच्छ तहसील में पीपलरावां गांव में मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना और किसान कल्याण योजना के हितग्राही किसानों के खातों में राशि अंतरित की। यादव ने 1.27 करोड़ महिलाओं के खातों में 1553 करोड़ रुपये सिंगल क्लिक से भेजे। जबकि सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के 56 लाख हितग्राहियों के खाते में 337 करोड़ रुपये और किसान कल्याण योजना में 81 लाख हितग्राही किसानों के खाते में 1624 करो? रुपये भेजे गये। मुख्यमंत्री ने हितग्राहियों से संवाद कर योजना के लाभ की जानकारी भी दी।

अंधेरी सड़क पर भिड़ीं बाईक, 3 की मौत

भोपाल, एजेंसी

राजधानी के देहात क्षेत्र बिलखिरिया में रविवार की रात बाइकों के बीच हुई आमने-सामने की भिड़ंत में 3 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक बालक गंभीर रूप से घायल हुआ है। घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बताई गई है। इधर घटना के बाद परिजन शव लेकर अस्पताल से घर चले गए थे, जिन्हें समझाईश के बाद शवों का पोस्टमार्टम कराने के लिए राजी किया गया है। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर घटना की जांच शुरू कर दी है। बिलखिरिया थाना प्रभारी उमेश सिंह चौहान ने बताया कि गोपाल बंजारा (35) ग्राम हरिपुरा बंजारा बस्ती में रहता था और ईंटभट्टे पर मिनीट्रक चलाता था। रविवार की रात को उसने अपना ट्रक ग्राम पड़रिया में खड़ा किया और बाइक लेकर घर के लिए रवाना हो गया। रास्ते में रायसेन निवासी रामजी बंजारा (60) ने उससे लिफ्ट मांगी। रामसिंह को भी हरिपुरा बंजारा बस्ती में रहने वाले अपने रिश्तेदार के यहां जाना था। गोपाल ने रामसिंह को बाइक पर बिठाया और गांव के लिए चल दिया। कुछ दूर आगे जाते ही उसकी बाइक सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक के टकरा गयी। उस बाइक पर अर्जुन पुत्र फूलसिंह बंजारा (18) और उसका दोस्त मनोज पुत्र अर्जन बंजारा दोनों निवासी ग्राम हरिपुरा सवार थे।

अरबपति नाना को चाकूओं से गोदकर मारा

हैदराबाद, एजेंसी

तेलंगाना की राजधानी से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है।इसमें वेलजन ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज के 86 साल के संस्थापक, वेलामाती चंद्रशेखर जनार्दन राव की उनके ही घर में हत्या कर दी गई। अरबों के मालिक वेलामाती की हत्या का आरोप उनके अपने 29 साल के नाती किलारू कीर्ति तेजा पर है। वेलामती पर घर में ही 70 से ज्यादा बार चाकू से हमला किया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक संपत्ति बंटवारे को लेकर हुई तीखी बहस के बाद ये हत्या की गई।

तेजा ने कथित तौर पर अपने नाना पर प्रॉपर्टी का ठीक से बंटवारा न करने का आरोप लगाते हुए उनका विरोध किया था। विवाद के बाद बहस इतनी बढ़ गई और गुस्से में आकर तेजा ने कथित तौर पर राव पर कई बार चाकू से वार किया। तेजा की मां सरोजिनी ने हस्तक्षेप करने की कोशिश की, लेकिन वे भी घायल हो गईं। तेजा हाल ही में अमेरिका से अपनी मास्टर डिग्री पूरी करने के बाद हैदराबाद लौटा था।

तमाम 'कोशिशों' के बाद भी शेयर बाजार में हिचकोले

मुंबई, एजेंसी

बजट में कई बड़े ऐलान व भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो रेट में कटौती के फैसले के बाद भी भारतीय शेयर बाजार पर इसका असर नजर नहीं आ रहा है। बाजार में बड़ा उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। मिले-जुले ग्लोबल संकेतों के बीच सप्ताह के पहले दिन आज भी सेंसेक्स-निफ्टी बड़ी गिरावट लेकर ओपन हुए है। सेंसेक्स 400 अंकों से ज्यादा का गोता लगा गया और 77,425.36 पर आ गया तो निफ्टी खुलते ही 121 अंक टूटकर 23,419 पर आ गया। कई दिनों से शेयर बाजार में गिरावट थमने का नाम नहीं ले रही है।

रूपया गिरा, सोना और चढ़ा : हर रोज गिरने का रिकॉर्ड बना रही है भारतीय करेंसी रुपया सप्ताह के पहले कारोबारी दिन भी खुलने के साथ ही ये अमेरिकी डॉलर की तुलना में 44 पैसे टूटकर नए रिकॉर्ड लो-लेवल पर पहुंच गई. डालर के मुकाबले भारतीय करेंसी का मूल्य गिरकर 87.94 पर आ गया वहीं सोना आज ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया । 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 669 रुपए बढ़कर 85,368 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले सोना 84,699 रुपए प्रति दस ग्राम के ऑलटाइम हाई पर था। वहीं आज चांदी में आज गिरावट है। किलो चांदी की कीमत रुपए कम होकर 94,940 रुपए किलो पर आ गई है।

पिछले साल के मुकाबले शहर में 25 प्रतिशत कम हो गए हैं माइग्रेट बर्ड

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

दूसरे देशों से आने वाले अप्रवासी पक्षी शहर से रूठ गए हैं। इनकी संख्या में लगातार कमी आई है। इस बार पिछले साल के मुकाबले संख्या में 25 प्रतिशत की कमी आई। अगर तीन सालों का आंकड़ा देखें तो संख्या आधी हो चुकी है। सर्दी शुरू होते ही राजधानी में साइबेरिया, यूरोप, दक्षिण अफ्रीका, नेपाल सहित कई देशों से पक्षी पहुंचते हैं। रामसर साइट्स और वन विहार में बर्ड काउंटिंग जारी है। अब तक करीब दो सौ प्रजातियों के पक्षी सामने आए हैं। बर्ड वाचिंग के लिए अब तक पांच कैम्प हो चुके हैं। जिसमें वन विहार और रामसर साइट्स पर गिनती हुई। एक्सपर्ट के मुताबिक करीब बीस हजार बर्ड की काउंटिंग हो चुकी है। भोपाल बर्ड कन्वेंशन सोसाइटी के मोहम्मद खालिक ने कहा कि पिछले साल के मुकाबले माइग्रेट बर्ड की संख्या में कमी आई है। पिछले तीन सालों में संख्या आधी हो गई है। चार साल पहले भोपाल में 53 हजार पक्षी पहुंचे थे। संख्या में कमी आने की बड़ी वजह जलवायु में परिवर्तन और दुनिया में चल रहे युद्ध हैं।

ये प्रजातियां: स्पॉटेड डक, व्हाइट स्टॉर्क, ग्रेट पेलिकन और डार्क पेलिकन, बार हेडेड गीड़, ऑल्ड वर्ल्ड फ्लेमिंगो, काजू ब्लैक-नैकेड कर्ड, ग्रे-हेडेड अल्बाट्रॉस, किल्डर, ब्लैक-टेल्ड गोडविट, मौर्निंग डोव आदि।

20 हजार से ज्यादा विवेचकों की आइडी बनकर तैयार

तकनीक से लैस होगी शहर पुलिस विवेचक टैबलेट में सहेजेंगे ई-साक्ष्य

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भारतीय साक्ष्य अधिनियम के अतंर्गत ई- साक्ष्य को प्रभावी बनाने के लिए पुलिस मुख्यालय की ओर से कवायद की जा रही है। जानकारी के मुताबिक अब विवेचकों को टैबलेट बांटे जाएंगे। जिससे विवेचना अधिकारी घटना स्थल की मौके से ही वीडियोग्राफी कर सकेंगे।बता दें विवेचक अभी तक पुराने टैबलेट या फिर अपने फोन का इस्तेमाल करते हैं। जिससे कई जगह मेमोरी और बैकअप जैसी समस्याएं सामने आती है।

विवेचक बदलने से नहीं होगी दिक्कत

टैबलेट में अपराधों की विवेचना होने से सबसे ज्यादा सहूलियत विवेचक बदलने पर होगी। क्योंकि विवेचक बदलने से केस को समझने में दिक्कत होती थी। लेकिन अब टैबलेट में पूरी घटनाक्रम का ब्यौरा होने से विवेचना अधिकारी बदलने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। वहीं टैबलेट दूसरे विवेचना करने वाले को सौंप दिया जाएगा। अब तक विवेचकों की 20 हजार आइडी तैयार की जा चुकी है, जिन्हें जल्द टैब देने की तैयारी है। विवेचकों को दिए जाने वाले टैबलेट को सीधे क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एवं सिस्टम (सीसीटीएनएस) से जोड़ा जाएगा। ताकि टैबलेट में दर्ज किए गए ई- साक्ष्य सीधे सीसीटीएनएस में दर्ज हो जाए और फिर इन्हें साक्ष्य के रूप में कोर्ट में भी पेश किया जा सकेगा।

टैबलेट सीसीटीएनएस पोर्टल से होगा कनेक्ट

विवेचकों को नए टैबलेट देने को लेकर हाल ही में हुई बैठक में सैद्धांतिक सहमति मिल चुकी है। अब जल्द ही नए टैबलेट मुहैया करवाए जाएंगे। ताकि ई साक्ष्य को प्रभावी तरीके से लागू किया जा सके।

बीयू: विद्यार्थियों के ईमेल पर पहुंचेगी अंकसूची, एसएमएस से मिलेगी सूचना और गतिविधियों की जानकारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) ने विद्यार्थियों की डिग्री और अंकसूची को लेकर अहम निर्णय लिया है। जिसके अनुसार, अब विद्यार्थियों को मोबाइल नंबर से बीयू की गतिविधियों से परिचित कराया जाएगा। वहीं अब रिजल्ट जारी होने के बाद विद्यार्थियों के ईमेल पर अंकसूची पहुंच जाएगी। इसके साथ ही विद्यार्थियों को डिग्री ई-मेल पर भेजने की सूचना भी एसएमएस के माध्यम से भेजी जाएगी। दरअसल, समय पर डिग्री नहीं मिलने पर कई बार नौकरी के लिए दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया से बाहर हो जाते हैं। इसके अलावा रिजल्ट जारी होने के बाद विद्यार्थियों को अपनी अंकसूची के लिए भटकना प?ता है। इस निर्णय से विद्यार्थियों को राहत मिलने के साथ ही ई-मेल पर डिग्री और मार्कशीट का आवंटन होने से कागज की खपत बहुत कम हो जाएगी। विद्यार्थियों द्वारा दिए गए ई-मेल और मोबाइल नंबर के लिए नैक के लिए सुरक्षित रखा जाएगा। इस दौरान नैक की टीम उनसे संपर्क कर फीडबैक भी ले जाएगी।

निरीक्षण के दौरान नैक की टीम विद्यार्थियों से संपर्क कर फीडबैक भी ले जाएगी

प्रथम से तृतीय वर्ष के परीक्षा आवेदन शुरू : विद्यार्थियों के प्रथम से तृतीय वर्ष के परीक्षा फार्म जमा कराना शुरू कर दिया है। विद्यार्थियों को अपना मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी देना अनिवार्य किया है। विद्यार्थियों द्वारा दिए गए ई-मेल आईडी पर डिग्री और अंकसूची भेजी जा सके।

प्रयागराज से लौटने पर स्वागत

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो। प्रयागराज महाकुंभ से महामंडलेश्वर गुफा मंदिर राम प्रवेश दासजी का स्वागत किया गया। विप्र बटुक ब्राह्मण द्वारा स्वास्तिक वचन करके उनका पूजन किया। पंडित रवि पटेरिया ने बताया प्रयागराज महाकुंभ में जगतगुरु देवाचार्य की उपाधि दी गई है।

शिक्षा के साथ संस्कारयुक्त पीढ़ी से ही राष्ट्र निर्माण संभव: यतीन्द्र शर्मा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी स्थित सरस्वती विद्या मंदिर, शारदा विहार आवासीय विद्यालय परिसर में विद्या भारती मध्यभारत प्रांत के प्रांतीय पूर्व आचार्य गटनायक सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान दे रहे शिशु मंदिर के पूर्व आचार्यों ने सहभागिता की और अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि यतीन्द्र जी शर्मा (अ.भा. सह संगठन मंत्री, विद्या भारती), डॉ. आदित्य मिश्र (उपाध्यक्ष, विद्या भारती मध्य क्षेत्र), विशिष्ट अतिथि श्री मोहनलाल गुप्ता (अध्यक्ष, सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान, म.प्र.), क्षेत्रीय संगठन मंत्री भालचंद्र रावले, प्रांतीय संगठन मंत्री निखिलेश महेश्वरी एवं कार्यक्रम के संयोजक डॉ. नीलाभ तिवारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन सत्र में मुख्य अतिथि यतीन्द्र शर्मा के साथ कार्यक्रम की अध्यक्षता गौतम टेटवाल (राज्य मंत्री, कौशल विकास एवं रोजगार, म.प्र. शासन) ने की। उन्होंने अपने उद्बोधन में विद्यालय के खट्टे मीठे अनुभव साझा किया। साथ ही उन्होंने कहा कि सरस्वती शिशु मंदिरों के द्वारा दिए संस्कारों के कारण ही आज हम राष्ट्र जीवन में समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं। विद्या भारती की प्रेरणा से राष्ट्र जीवन के लिए पूर्व आचार्य कार्य कर रहे हैं।?मुख्य अतिथि यतीन्द्र शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा के साथ संस्कारयुक्त पी?ी से ही राष्ट्र निर्माण संभव है। विद्या भारती जिस लक्ष्य को लेकर विद्यालय संचालित करता है आज उसी के अनुरूप राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 बनी है और अधिकतम सरस्वती शिशु मंदिर में लागू भी हो चुकी है। इस विचार के साथ राष्ट्र निर्माण में हम पूर्व आचार्यों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

500 से अधिक पूर्व आचार्य उपस्थित रहे: आयोजन में विद्या भारती मध्यभारत प्रांत के पदाधिकारी, शिक्षाविद्, एवं समाज जीवन में कार्य करने वाले विद्या भारती के 500 से अधिक पूर्व आचार्य उपस्थित रहे। सम्मेलन का संचालन डॉ. नीलाभ तिवारी (संयोजक, पूर्व आचार्य गटनायक सम्मेलन) ने किया। अंत में राजेश तिवारी, प्रबंधक शारदा विहार आवसीय विद्यालय भोपाल ने आभार व्यक्त किया। इस सम्मेलन ने शिक्षा एवं समाज सेवा से जुड़े पूर्व आचार्यों को एकजुट करने एवं राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को प्रोत्साहित करने का एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया।

देवांश की मदद के लिए पूज्य सिंधी पंचायत आगे आई

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संतनगर के एक थैलेसीमिया ग्रसित मासूम देवांश वासवानी की जिंदगी बचाने के लिए मदद की मुहिम सिंधी समाज की प्रतिनिधि संस्था पूज्य सिंधी पंचायत ने शुरू की है। देवांश की बोनमैरो ट्रांसप्लांट की उम्मीद बंधी है। परिवार के किसी सदस्य से मैच नहीं हुआ, लेकिन बाहर डोनर मिल गया है।

35 लाख की कोटेशन : ट्रांसप्लांट फोर्टिस हॉस्पिटल, गुड़गांव में होना है, इसके लिए परिवार को अस्पताल से 35 लाख का कोटेशन आया है। इलाज के चलते मरीज को करीब 5 से 6 महीने अस्पताल में रहना होगा। देवांश की मांग हिमांशु वासवानी ने बताया कि हर 15-20 दिन देवांश को खून की आवश्यकता होती है। ईश्वर ने बोनमैरो डोनर तो दिलवा दिया है, लेकिन आर्थिक रूप से हमारे लिए यह संभव नहीं है।

भलाई व्यर्थ नहीं जाएगी : पंचायत अध्यक्ष माधु चांदवानी ने कहा कि जीवन में कभी किसी के द्वारा की हुई भलाई व्यर्थ नहीं जाती वो किस रूप में लौटकर आयेगी ये ईश्वर ही जानता है। देवांश की मदद को लेकर लोगों से आगे आने का आग्रह पंचायत ने किया है।

मेट्रो एंकर सिंधी सेंट्रल पंचायत ने 'नशा जहर है, जीवन पर कहर है' विषय पर परिचर्चा आयोजित

माता-पिता बच्चों के लिए समय निकालें: सबनानी

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

सिंधी सेंट्रल पंचायत भोपाल ने रविवार को नशे पर परिचर्चा का आयोजन किया। विषय था, 'नशा जहर है, जीवन पर कहर है'। सिंधी समाज की संस्थाओं से जुड़े विधायक भगवानदास सबनानी ने कहा कि कॉकटेल पार्टी, युवाओं की ऑफ्टर काकटेल पार्टी के कारण विवाह जैसे पवित्र बंधन के संस्कारों में होने वाली देरी समाज की चिंता का विषय है। माता-पिता बच्चों के लिये समय निकालें। परिचर्चा में डॉ. रश्मी निचलानी और डॉ. राकेश सुखेजा ने पावर पाइंट प्रेसेन्टेशन के जरिये अपनी बात समझायी। डॉ. रश्मी निचलानी ने जहां बिगड़ती लाइफ स्टाइल और नशे के चलते कैंसर, लकवा जैसे रोग के कारणों को बताया। वहीं डॉ. राकेश सुखेजा ने नशे के साथ ही सोशल मीडिया और हर प्रकार के लत, एडिक्शन और उसके प्रभावों पर लोगों का ध्यान खींचा।

100 लोगों का नशा छुड़ाया : युवा इन्फ्लुएंसर अनिशा चिमनानी ने हुक्के के सेवन को लेकर अपनें अनुभवों को साझा किया और बताया कि वे कम से कम 100 लोगों को नशे की लत से बाहर ला चुकी है। दीपक राजानी नें नशे के सौदागरों द्वारा ऐसा ड्रग बेचने की बात बताई जिससे युवा नपुंसक तक हो रहे हैं। उन्होंने नशे के मनोरंजन से हटकर युवाओं को खेल में रुचि जगाने की बात की।

लाचार नहीं बने युवा : पंचायत के मुख्य सलाहकार भगवानदास इसरानी ने विषय प्रवर्तन करते माता-पिता से आव्हान किया कि सभी परिवार जन पंचायत की इस मुहिम में सक्रियता से साथ दें। हमारे युवा नशे के कारण लाचार नहीं वरन स्वस्थ रहकर अपनों और समाज का सहारा देने वाले बनें।

दो डाक्यूमेंट्री दिखाई गई : पंचायत के सचिव लखन दादलानी नें दो डाक्यूमेंट्री दिखाकर अपनी बात रखी। पंचायत के सचिव दिनेंश मेंघानी ने नशे के कारणों पर अपनी बात रखी। इस अवसर पर चेतीचांद के संयोजक सर्वश्री निर्मल गंगनानी और कमल पंजवानी का स्वागत किया गया। नवगठित पंचायत एरोसिटी के पदाधिकारियों का स्वागत भी किया गया। बलदेव खेमानी, लता बजाज और हरीश ज्ञानचंदानी नें भी विचार व्यक्त किये। मोहनलाल लालवानी ने आभार व्यक्त किया। शुरूआत में नरेश गिदवानी और उनके सहायकों नें प्रभावी सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी।

10वीं 12वीं की होंगी दो परीक्षाएं, फेल हुए तो मिलेगा एक और मौका

भोपाल। मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की 10वीं-12वीं की मुख्य परीक्षाओं में शामिल होने वाले विद्यार्थियों के लिए काम की खबर है। माशिमं सूत्रों की मानें तो इस बार पूरक का प्रावधान खत्म करते हुए दो परीक्षाओं का निर्णय लिया है। मुख्य परीक्षा में फेल होने वाले विद्यार्थियों के लिए दूसरी परीक्षा आयोजित की जाएगी। बताया जा रहा है कि कोई भी विद्यार्थी 10वीं या 12वीं की परीक्षा में एक या दो विषय में फेल हुआ या कम नंबर आए तो वह जुलाई में आयोजित द्वितीय अवसर की मुख्य परीक्षा में एक या दो विषय की परीक्षा दे सकता है। चाहे तो वह सभी विषयों की परीक्षा भी दे सकता है। उसके अच्छे अंकों के आधार पर परिणाम तैयार किया जाएगा। मप्र बोर्ड की पहली परीक्षा 24 फरवरी से आयोजित होने वाली है। मुख्य परीक्षा के परिणाम के बाद जुलाई में द्वितीय अवसर की मुख्य परीक्षा आयोजित होगी। दरअसल, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत यह निर्णय लागू किया गया है। इसके आधार पर वार्षिक परीक्षा का परिणाम तैयार किया जाएगा। निर्णय शिक्षा सत्र 2024-25 की परीक्षा से लागू होगा। मंडल की साधारण सभा की बैठक में निर्णय लिया गया है और शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। जल्द अंतिम रूप दे दिया जाएगा।

विद्यार्थी के अच्छे अंकों के आधार पर परिणाम तैयार होगा

बोर्ड पैटर्न: 24 से 5वीं-8वीं की परीक्षाएं, 3 किमी में केंद्र

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के सरकारी स्कूलों की कक्षा लेकर राज्य शिक्षा केंद्र की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। बोर्ड पैटर्न पर आयोजित इन परीक्षाओं की शुरुआत 24 फरवरी से होगी। परीक्षाओं के लिए केंद्र निर्धारण की प्रक्रिया चल रही है। इस संबंध में राज्य शिक्षा केंद्र ने दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। हर जनशिक्षा केंद्र के तहत पांच केंद्र बनाए जाएंगे। परीक्षा केंद्र स्कूल से तीन किमी के अंदर ही होंगे और एक केंद्र पर 250 से अधिक विद्यार्थी शामिल नहीं होंगे। इस बार परीक्षा के लिए राज्य व जिला स्तर पर नियंत्रण कक्ष भी बनाया जाएगा। परीक्षा से संबंधित कोई भी शिकायत यहां दर्ज कराई जा सकती है। अगर कोई विद्यार्थी नकल करते या अनुचित साधनों का प्रयोग करते पक?ा जाएगा तो उसकी परीक्षा निरस्त कर दी जाएगी। उसकी उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा। यह भी निर्देशित किया गया है कि परीक्षा के दिन जनशिक्षा केंद्र से 45 मिनट पहले केंद्रों पर केंद्राध्यक्ष की उपस्थिति में प्रश्नपत्रों का बंडल वितरित किया जाएगा। परीक्षा समाप्त होने के बाद सभी केंद्रों से एक घंटे के अंदर उत्तर पुस्तिकाओं को जनशिक्षा केंद्र पर जमा कराना होगा।

हर केंद्र पर 250 से विद्यार्थी रहेंगे, राज्य व जिला स्तर पर तैयार होंगे नियंत्रण कक्ष

मुख्य कार्यपालन अधिकारी की अनुमति से होगा केंद्रों में बदलाव

विशेष परिस्थितियों में राज्य शिक्षा केंद्र को सूचित करते हुए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी की अनुमति से परीक्षा केंद्रों की संख्या ब?ाई जा सकेगी। इस बार परीक्षा में सरकारी व निजी स्कूलों के करीब 24 लाख विद्यार्थी शामिल होंगे। कक्षा 5वीं व 8वीं की परीक्षा में निर्धारित अर्हकारी अंक प्राप्त नहीं करने वाले विद्यार्थियों को पुन: परीक्षा का अवसर दिया जाएगा। इसके लिए दो माह बाद पुनः परीक्षा आयोजित होगी। इस बार डिटेंशन पॉलिसी भी लागू होगी। पुनः परीक्षा में अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों को उसी कक्षा में रोके जाने (डिटेंशन पॉलिसी) का प्रावधान होगा।

जीआईएस के पहले 20 से ज्यादा नीति बदलेगी सरकार

- 11 और 18 फरवरी को होने वाली कैबिनेट बैठकों में नीतियों को मिलेगी मंजूरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के पहले मोहन सरकार 20 से अधिक नीतियों में बदलाव करने जा रही है। इनमें से कई पर काम हो गया है। ऐसी सभी नीतियों को 11 और 18 फरवरी को होने वाली कैबिनेट बैठक में मंजूरी दी जानी है।

असल में 24 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जीआईएस का मानव संग्रहालय में शुभारंभ करेंगे। यह 25 को भी चलेगी। इन दो दिनों में मोहन सरकार प्रदेश–प्रदेश व विदेशों के निवेशकों से मप्र में निवेश किए जाने को लेकर बात करेंगे। लाखों करोंड़ों के निवेश प्रस्तावों पर सहमति बन सकती है।

माना जा रहा है कि बाहर से आने वाले निवेशक मप्र की निवेश समेत अन्य विभागों की नीतियों को लेकर और बदलाव चाहते हैं, विभिन्न रीजनल समिटों में यह बात सामने आ चुकी है। जापान, जर्मनी और यूके के उद्योपतियों ने भी सीएम डॉ. मोहन यादव के सामने यह बात रखी थी।

सीएम ने इन सभी विषयों पर सीएस अनुराग जैन को निर्देश दिए थे कि जो नीति बहुत पुरानी है और उनके प्रावधानों के कारण उद्योगपतियों को निवेश करने में दिक्कत महसूस हो रही है तो उन्हें बदला जाना चाहिए। जिसके बाद से सीएस के स्तर पर यह काम जारी है। उन्होंने विभागों के प्रमुखों को निवेशक की चिंताओं को ध्यान में रखकर नीति में बदलाव करने संबंधी प्रावधान करने की सलाह दी है। वह खुद भी समीक्षा कर रहे हैं।

डॉक्टर्स और चिकित्सा शिक्षकों की 75 फीसदी उपस्थिति की गई अनिवार्य

भोपाल। प्रदेश में आयुर्वेद मेडीकल कॉलेजों और संबद्ध अस्पतालों में डॉक्टर्स और चिकित्सा शिक्षकों की 75 फीसदी उपस्थिति अनिवार्य की गई है। नेशनल कमीशन फॉर इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन ने यह नई व्यवस्था लागू की है। इसके साथ ही चिकित्सा शिक्षकों और डॉक्टर्स के लिए बायोमेट्रिक सिस्टम से ही उपस्थिति दर्ज होगी। इसके चलते अब अस्पताल से डॉक्टर्स बिना कारण अनुपस्थित पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी। अभी तक स्कूलों व कॉलेजों में छात्रों के लिए 75 फीसदी उपस्थिति अनिवार्य रहती है। इसके अलावा आयोग लंबे समय तक चिकित्सा अवकाश की जांच और सत्यापन के लिए एक मेडीकल बोर्ड का गठन भी कर सकता है। संस्थानों के संचयी दिवस 75 फीसदी कम नहीं होने चाहिए। इसकी पारदर्शिता के लिए आधार इनेबिल्ड बायोमीट्रिक अटेन्डेंस सिस्टम भी अनिवार्य किया गया है। इसमें आंखो व फिंगर के जरिये बायोमैट्रिक उपस्थिति दर्ज होगी। मध्य प्रदेश में 37 आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज संचालित है। जहां के डॉक्टर्स और चिकित्सा शिक्षकों पर यह व्यवस्था लागू होगी।

प्रदेश में आयुर्वेद मेडिकल कॉलेजों और संबद्ध अस्पतालों में लागू होगी यह व्यवस्था

पीएमश्री एयर एंबुलेंस से मासूम को भोपाल एम्स किया एयरलिफ्ट

- सीएम डॉ. यादव का बालिका के पिता ने माना आभार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

रविवार को बालाघाट से लालबर्रा निवासी 4 वर्षीय बालिका स्मोली अवधिया को उपचार के लिये पीएमश्री एयर एम्बुलेंस से भोपाल एम्स के लिये एयरलिफ्ट किया गया। आर्गन फेलियोर की समस्या से ग्रसित स्मोली का उपचार बालाघाट में चल रहा था। स्थिति गंभीर होने पर चिकित्सकीय सलाह से बालिका स्मोली को उच्च स्तरीय उपचार के लिये भोपाल लाया गया।

बालिका स्मोली के पिता श्री राहुल अवधिया ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार माना, जिनके प्रयासों से गरीब वर्ग के लिये विपरीत परिस्थितियों में पीएमश्री एयर एम्बुलेंस योजना शुरू हुई है। उन्होंने कहा कि हम जैसे गरीब तबके के लोग बीमारी की स्थिति में उच्च स्तरीय चिकित्सकीय सेवाएँ नहीं ले पाते हैं। आज मेरी बेटी के भोपाल में उपचार के लिये एयर एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध करायी गयी। इसके लिये मुख्यमंत्री जी का बहुत-बहुत आभार।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बालाघाट डॉ. मनोज पाण्डे ने बताया कि जिला प्रशासन के सहयोग से पीएमश्री एम्बुलेंस की व्यवस्था की गयी, जिससे बालिका स्लोमी को उच्च स्तरीय उपचार के लिये एम्स भोपाल भेजा गया है। उन्होंने बताया कि इसके पहले भी नक्सल घटना में घायल शिव कुमार शर्मा को उपचार के लिये पीएमश्री एयर एम्बुलेंस से दिल्ली भेजा गया था।

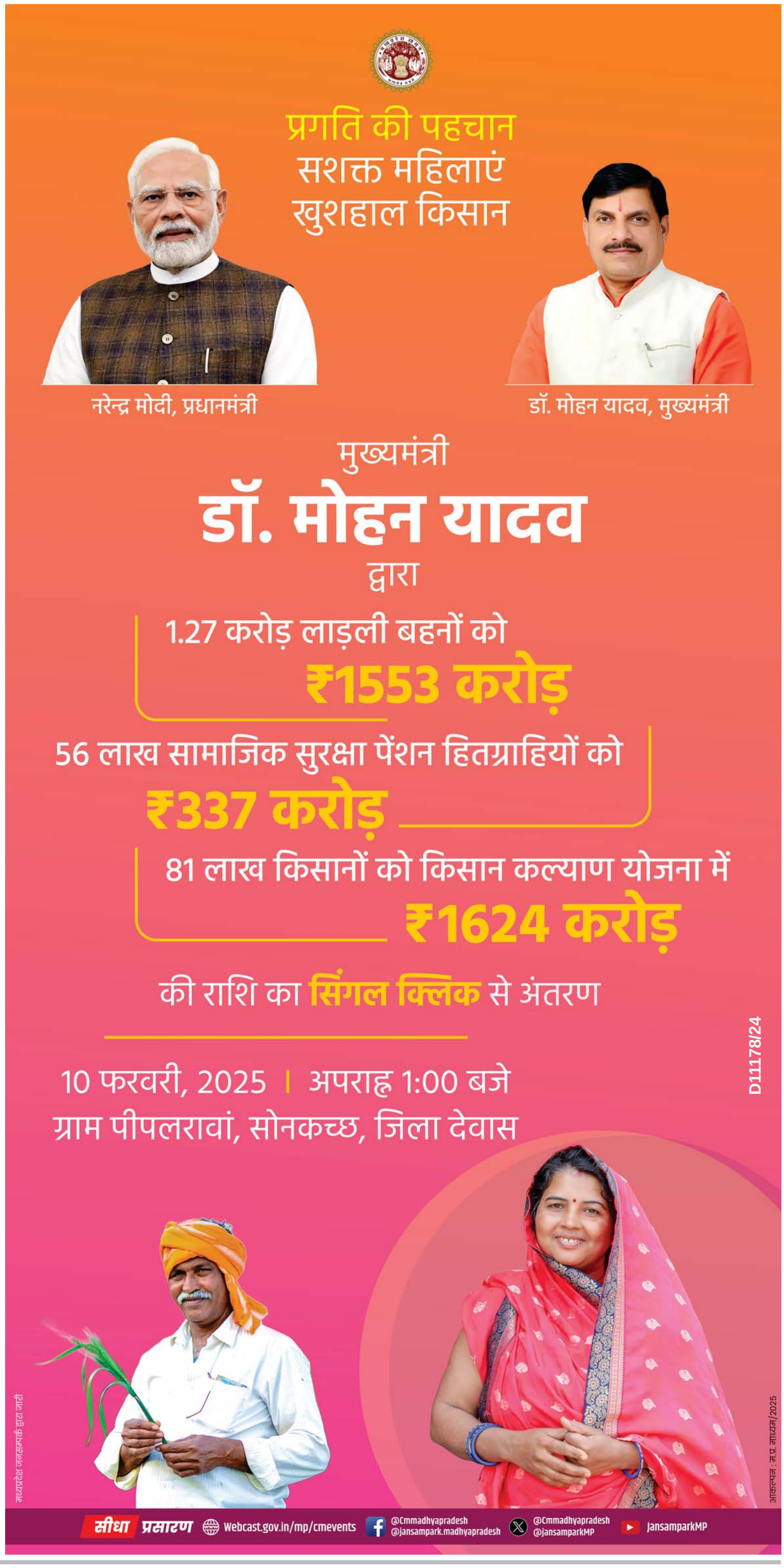

संपादकीय

राज्यों के साथ तालमेल ही बेहतर

केंद्र फैसलों का राज्यों में विरोध होना तथा तल्खी का लगातार बढ़ना अब बहुत नया मामला नहीं है, बीते कुछ सालों से यह तनातनी लगातार बढ रही है। खास बात यह है कि ऐसे मामलों में राज्यपालों का परोक्ष या अपरोक्ष जिक्र भी जरूर आ ही जाता है। इसलिए अब यूजीसी कानूनों के मसौदे के विरोध में पांच राज्य सरकारों का एक साथ सामने आना कई सवाल खड़े करने लगा है। हालांकि इन पांचों राज्यों के विरोध में समानता यह है कि इनमें गैर भाजपा दलों का शासन है। यह राज्य हैं- कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, केरल, तमिलनाडु और तेलंगाना। इनमें तीन कांग्रेस शासित राज्य हैं। ऐसे संकेत भी हैं कि भले ही इनके साथ दूसरे अन्य राज्य एक मंच पर न आए हों, लेकिन कई राज्य भी इस मसौदे से असहमति रखते हैं यानि अंदर ही अंदर खदबदा रहे हैं। अब अगर सिर्फ इन पांच राज्यों के विरोध की बात की जाए और यह मान लिया जाए कि इसके पीछे राजनीति की भी प्रत्यक्ष या परोक्ष भूमिका होगी तो भी यूनिवर्सिटियों के संचालन, वाइस चांसलरों की चयन प्रक्रिया और असिस्टेंट प्रफेसरों की नियुक्ति के लिए पात्रता जैसे मसलों पर केंद्र और राज्य सरकारों के बीच राजनीतिक विभाजन गंभीर मसला है। केंद्र और राज्यों में अलग-अलग दलों की सरकारों के बावजूद अगर पहले इस तरह का विभाजन नहीं दिखता था और अब दिख रहा है तो साफ है कि किसी न किसी स्तर पर ऐसी गड़बड़ी आई है या आ रही है जो पहले नहीं थी। इन राज्यों की शिकायतों और सुझावों का जहां तक सवाल है तो ऐसे मामलों पर चलताऊ ढंग से कोई निष्कर्ष निकाल लेना सही नहीं होगा। लेकिन अगर राज्य सरकारों को वाइस चांसलर के चयन में अपनी भूमिका पूरी तरह खत्म किए जाने पर एतराज है तो उनकी आपत्ति को एकबारगी ही खारिज तो नहीं किया जा सकता। शिक्षा आज भी समवर्ती सूची में है। ऐसे में इस बात का ख्याल रखना जरूरी है कि राज्यों की भूमिका के लिए पर्याप्त गुंजाइश बनी रहे। अब तक चली आ रही परंपरा या नियमों को एक ही झटके में बदलने की कोशिशें यदि होती हैं तो यह दूसरे पक्ष के लिये एकदम से स्वीकार्य नहीं हो सकती। वैसे भी केंद्र और राज्य सरकारों के रिश्तों में अगर हाल के वर्षों में तनाव बढ़ा है तो उसकी एक वजह खासकर विपक्ष शासित राज्यों में राज्यपालों की अति-सक्रियता भी है। इससे इन राज्य सरकारों के बीच ऐसा संदेह बना है कि केंद्र लगातार राज्यपालों के जरिए उनके अधिकार क्षेत्र में दखलंदाजी करना चाहता है। बहुत संभव है कि यूजीसी नियमों के मसौदे पर मतभेदों के ऐसा रूप लेने के पीछे भी इन संदेहों का हाथ हो। अब कारण चाहे जो भी हो, केंद्र और राज्यों के बीच इस तरह के संदेहों का कोई औचित्य नहीं बनता। इससे संविधान के संघीय ढांचे को भी देर-सबेर नुकसान पहुंचने का अंदेशा रहता है। बेहतर होगा इन मतभेदों को उपयुक्त मंचों पर और सामंजस्यपूर्ण तरीके से सुलझा लिया जाए,देश के कुछ राज्यों में सरकारें चाहे अलग दल की हों लेकिन उनका मत भी महत्वपूर्ण माना जाना चाहिये। दरअसल होता यह है कि कई बार पीछे हुए हस्तक्षेप यह असहमतियां ऐसे मोड पर आकर बडा रूप ले लेती हैं जब कोई बड़ा या दूरगामी बदलाव होने वाला हो। लिहाजा केंद्र को राज्यों की भावना का आदर करते हुए बातचीत के लिये व्यापक मंच खोलना चाहिये।

दुनियां में जो इतनी बुराई फैली हुई है उसका दोष केबल बुरा काम करने वालों पर ही नहीं है बल्कि दोष उन अच्छे आदमियों का भी है जो बुरे काम करने वालों की खुशामद करने और उन्हें खुश करने के लिए सदा तैयार रहते हैं।
- लुई फिशर

आज का इतिहास

- 1495 - इंग्लैंड में सर विलियम स्टैनली को मौत के घाट उतार दिया गया।
- 1616 - ब्रिटेन के राजदूत सर थॉमस रो मुग़ल शासक जहांगीर के दरबार अजमेर में आये।
- 1763 - पेरिस संधि के तहत फ़्रांस ने कनाडा ब्रिटेन को दे दिया। पेरिस की संधि से फ्रांसीसी - भारतीय युद्ध की समाप्ति। 1811 - रूसी सैनिकों ने बेलग्रेड पर कब्ज़ा किया।
- 1817 - ब्रिटेन, प्रसिया, आस्ट्रिया और रूस ने फ़्रांस से अपनी फ़ौजें हटाने की घोषणा की।
- 1818 - अंग्रेजों तथा मराठा के बीच तीसरा तथा अंतिम युद्ध रामपुर में लड़ा गया।
- 1828 - दक्षिण अमेरिकी क्रान्तिकारी साइमन बोलिवार कोलंबिया के शासक बने।
- 1846 - अंग्रेजों ने सोबरांव की लड़ाई में सिखों को पराजित किया।
- 1848 - फर्नीनांड प्रथम ने नया संविधान लागू किया।
- 1879 - अमेरिका के कैलिफोर्निया थियेटर में पहली बार रोशनी के लिए बिजली का इस्तेमाल किया गया।
- 1890 - रूसी लेखक बोरिस पेस्टरनाक का जन्म।
- 1904 - जापान तथा रूस ने युद्ध की घोषणा की।
- 1912 - ब्रिटेन के किंग जार्ज पंचम तथा क्वीन मैरी भारत से रवाना।
- 1916 - ब्रिटेन में सैन्य भर्ती शुरू हुआ।
- 1918 - सोवियत नेता लियो ट्रोटस्की ने रूस के प्रथम विश्व युद्ध से हटने की घोषणा की।
- 1921 - काशी विद्यापीठ का उद्घाटन गांधी जी ने किया। ड्यूक ऑफ़ कनॉट ने इंडिया गेट की नींव रखी।
- 1929 - जे.आर.डी. टाटा पायलट लाइसेंस पाने वाले पहले भारतीय बने।
- 1931 - दिल्ली भारत की राजधानी बनी।
- 1933 - जर्मनी के तानाशाह हिटलर ने मार्क्सवाद के समाप्त होने की घोषणा की।
- 1939 - जापानी सैनिकों ने हेनान द्वीप, चीन पर अधिकार कर लिया।
- 1947 - नीदरलैंडस रेडियो यूनियन की स्थापना।
- 1943 - द्वितीय विश्वयुद्ध में ब्रिटिश सैनिक ट्यूनिशिया की सीमा पर पहुँचे।
- 1959 - अमेरिका के सेंट लुईस में तूफान से 19 की मौत 265 घायल।
- 1961 - अमेरिका ने वेस्टइंडीज में अनेक स्थानों पर अपना दावा छोड़ा। कनाडा में नियाग्रा जल प्रपात की पनबिजली परियोजना से बिजली का उत्पादन शुरू।
- 1966 - यूरोपीय देश बेल्जियम में हारमेल की सरकार ने इस्तीफ़ा दिया।
- 1969 - पश्चिम बर्लिन यात्रा पर जर्मन प्रतिबंध को अमेरिका, ब्रिटेन और फ़्रांस ने अस्वीकार कर दिया।
- 1972 - सोवियत संघ ने पूर्वी कजाखस्तान में परमाणु परीक्षण किया।
- 1974 - इराक ने सीमा संघर्ष में 70 ईरानी सैनिकों को मारने का दावा किया।
- 1979 - ईटानगर को अरुणाचल प्रदेश की राजधानी बनाया गया।
- 1981 - खगोलविद राय पेंथर द्वारा धूमकेतु की खोज।
- 1984 - सोवियत राष्ट्रपति यूरी आंद्रोपोव का देहांत।
- 1989 - अमेरिका ने नवादा परीक्षण-स्थल पर परमाणु परीक्षण किया।
- 1991 - पेरू में हैजे से 51 लोगों की मौत। सोवियत संघ से आजादी के लिए यूरोपीय देश लिथुआनिया में मतदान। 1992 - अंडमान और निकोबार द्वीप विदेशी पर्यटकों के लिए खुला।
- 1996 - आईबीएम सुपर कम्प्यूटर 'डीप ब्ल्यू' ने शतरंज में गैरी कास्परोव को हराया।
- 1998 - पर्यावरण सुधार कार्यक्रमों के लिए 35 देशों द्वारा 'ग्लोबल इनवायरमेंट फ़ेसिलिटी' पर अंतर्राष्ट्रीय समझौता सम्पन्न, पाक प्रधानमंत्री नवाज शरीफ़ द्वारा 'पाकिस्तान-2000' नामक कार्यक्रम की घोषणा।

निशाना

रहे उसी पर ध्यान !

-कृष्णेन्द्र राय

जो मिला है काम ।
रहे उसी पर ध्यान ।।
इधर उधर भटकाने से ।
है गिरता सम्मान ।।
बन रहा समूह लगता ।
भ्रम का मायाजाल ।।
चेते ना अभी अगर ।
होगा बुरा हाल ।।
देखें अपना क्षेत्र ज़रा ।
कैसा पड़ा अकाल ।।
हर तरफ से आप पर ।
उठते हैं सवाल ।।
साथ साथ इस जोश के ।
होश को ठुकराया ।।
गुणा भाग ना कर जाए ।
पूरा ही सफाया ।।

चुनाव आयोग पर राजनीतिक गोलाबारी लोकतंत्र के लिए घातक

आलोक मेहता

एक बार फिर कांग्रेस,आम आदमी पार्टी, शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, उद्धव ठाकरे की शिव सेना आदि ने चुनाव आयोग और उसकी व्यवस्था पर पक्षपात का आरोप लगा दिए। महाराष्ट्र और हरियाणा विधान सभा चुनाव परिणामों से बौखलाए राहुल गाँधी ने संसद के बजट सत्र के प्रारम्भ में लोक सभा से तथा बाहर से यह आरोप लगाने शुरु कर दिए। दिल्ली विधान सभा के चुनाव में तो अरविन्द केजरीवाल और आम आदमी पार्टी के अन्य नेताओं ने चुनाव मुख्य आयुक्त राजीव कुमार का नाम लेकर लगभग गालियों के साथ आरोप लगा दिए। समाजवादी पार्टी प्रमुख ने तो चुनाव आयोग पर कफन के कपडे डालने जैसे अशोभनीय प्रदर्शन कर दिए। इस विरोध में पराजय के साथ नए चुनाव आयुक्त की नियुक्ति में भी अड़ंगा लगाने और बिहार सहित आगामी चनावों की विश्वसनीयता को खत्म करने का इरादा साफ़ दिख रहा है। सीईसी राजीव कुमार 65 वर्ष की आयु पूरी होने पर 18 फरवरी को सेवानिवृत्त होंगे। मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्त (नियुक्ति, सेवा शर्तें और कार्यालय की अवधि) अधिनियम, 2023 के प्रावधानों को पहली बार सीईसी की नियुक्ति के लिए लागू किया जा रहा है।

केंद्र सरकार ने अगले मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) की नियुक्ति के लिए नामों की सूची तैयार करने के वास्ते केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल की अध्यक्षता में एक खोज समिति गठित की हुई है। इस समिति के दो सदस्यों के रूप में वित्त विभाग के सचिव और कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के सचिव शामिल हैं। अब तक सबसे वरिष्ठ निर्वाचन आयुक्त को सीईसी के सेवानिवृत्त होने के बाद मुख्य निर्वाचन आयुक्त के रूप में पदोन्नत किया जाता था।पिछले साल सीईसी और निर्वाचन आयुक्तों (ईसी) की नियुक्तियों को लेकर एक नया कानून लागू होने के बाद नियुक्ति प्रक्रिया में बदलाव आया है। अब एक खोज समिति सीईसी और निर्वाचन आयुक्तों के रूप में नियुक्ति के लिए सचिव स्तर के अधिकारियों के नामों की सूची तैयार करती है।आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्त (नियुक्ति, सेवा शर्तें और कार्यालय की अवधि) अधिनियम, 2023 के प्रावधानों को पहली बार सीईसी की नियुक्ति के लिए लागू किया जा रहा है। इस अधिनियम का इस्तेमाल पिछले साल अनूप चंद्र पांडे की सेवानिवृत्ति और अरुण गोयल के इस्तीफे से पैदा हुई रिक्तियों को भरने के लिए निर्वाचन आयुक्तों ज्ञानेश कुमार और एस एस संधू को नियुक्त करने के वास्ते किया गया था। अधिनियम के अनुसार, मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली चयन समिति की सिफारिश पर की जाएगी. इस समिति में लोकसभा में विपक्ष के नेता और प्रधानमंत्री की ओर से नामित एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री शामिल होंगे।राजीव कुमार के बाद ज्ञानेश कुमार सबसे वरिष्ठ निर्वाचन आयुक्त हैं। ज्ञानेश कुमार का कार्यकाल 26 जनवरी, 2029 तक है।

राहुल गांधी ने भारतीय चुनाव आयोग पर बड़ा आरोप लगाया है। राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में मतदाताओं और मतदान सूची में गड़बड़ी पाई गई है। इस पर अब चुनाव आयोग की प्रतिक्रिया सामने आई है।

चुनाव आयोग ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के महाराष्ट्र वोटर लिस्ट में गड़बड़ी के आरोपों पर पलटवार किया है और कहा है कि इस मामले में पूरे तथ्यों के साथ जवाब दिया जाएगा।

ऐसी धारणा बनाई जा रही है कि चुनाव आयोग एकल सदस्यीय निकाय है। चुनाव आयोग ने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 में राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर 1.5 लाख से अधिक अधिकारियों द्वारा कार्रवाई की जा रही है। कहा गया कि ये अधिकारी पूरी निष्पक्षता के साथ अपना काम कर रहे हैं।

उधर, आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल व अन्य आप के वरिष्ठ नेताओं द्वारा आरोप लगाया जा रहा है कि चुनाव आयोग भाजपा कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई नहीं कर रहा है। कहा गया कि भाजपा नेताओं द्वारा आचार संहिता का उल्लंघन करने पर चुनाव आयोग कार्रवाई नहीं कर रहा है।

राहुल गांधी ने भारतीय चुनाव आयोग पर बड़ा आरोप लगाया है। राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में मतदाताओं और मतदान सूची में गड़बड़ी पाई गई है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि सरकारी आंकड़ों के अनुसार महाराष्ट्र की वयस्क आबादी 9.54 करोड़ है, जबकि राज्य में 9.7 करोड़ मतदाता हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र में राज्य की कुल आबादी से अधिक मतदाता हैं। गांधी ने आरोप लगाया कि लोकसभा चुनाव के बाद पांच महीनों में महाराष्ट्र में 39 लाख मतदाता जुड़े, जबकि पिछले पांच वर्षों में 32 लाख मतदाता जुड़े थे।' राहुल द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोप लगाए जाने के तुरंत बाद निर्वाचन आयोग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) राजनीतिक दलों को प्राथमिकता वाले पक्षकारों के रूप में मानता है, निश्चित रूप से मतदाता सर्वोपरि हैं और राजनीतिक दलों से आने वाले विचारों, सुझावों, सवालों को बहुत महत्व देता है। उन पूरे तथ्यात्मक और प्रक्रियात्मक प्रक्रिया का पालन करते हुए लिखित में जवाब देगा, जिसे पूरे देश में समान रूप से अपनाया गया है।''

पुराने अनुभवी कांग्रेसी या प्रतिपक्ष क़े कई लोगों को याद होगा कि किसी समय एक प्रधान मंत्री क़े परिवार क़े सदस्यों क़े विवाह की क़ानूनी प्रक्रिया पूरी करने क़े लिए उनके निवास पर जाने से लेकर सेवा काल में भी निजी सम्बन्ध वाले अधिकारी देश क़े प्रमुख निर्वाचन आयुक्त रहे हैं। किसी प्रधान मंत्री या मुख्यमंत्री क़े साथ वरिष्ठ सचिव रहे अधिकारी भी निर्वाचन आयुक्त बने। लेकिन इन चुनाव आयुक्तों की निष्पक्षता पर सवाल नहीं उठाए गए। अब कांग्रेस क़े नेता चुनावी पराजय की संभावना देखकर ' जंगल में शेर आया ' क़े अनावशयक हल्ले की तरह बिहारी वाजपेयी, मधु लिमये, जॉर्ज फर्नांडीज जैसे नेता जेल में रहे, लेकिन बाद में सम्पूर्ण व्यवथा पर अनर्गल और अशोभनीय वक्तव्य नहीं देते रहे।

याद करें - बीस वर्ष पहले बिहार, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब जैसे कई राज्यों में मतदान केंद्रों पर फर्जी मतदान, मत पेटियों की लूट और हिंसक संघर्ष की घटनाएं होती थीं और प्रशासन बेबस हो जाता था। कुछ गांवों में बाहुबलियों और उनके समर्थकों द्वारा चुनाव जीतने के लिए दिए गई धमकियों के डर से कई गांव खाली हो जाते थे। हाल के वर्षों में ईमानदार और समर्पित अधिकारियों ने ही चुनावी व्यवस्था को अधिकाधिक निष्पक्ष, आधुनिक और भयमुक्त बना दिया है। अब हिंसा और लूटपाट की खबरें बहुत कम देखने को मिलती है। चुनावी प्रचार, खर्च पर निगरानी, गैर क़ानूनी तरीकों पर अंकुश, उम्मीदवारों की योग्यता पृष्ठभूमि आमदनी इत्यादि की सार्वजनिक घोषणा जैसी पारदर्शिता का लाभ हो रहा है। राजनीतिक पार्टियों को मान्यता, विजय पराजय के बाद की जाने वाली शिकायतों पर सुनवाई ने व्यवस्था की साख बढ़ाई है। देश में पहले एक चुनाव आयुक्त होते थे, फिर दो हुए। तब अदालत के एक निर्णय के बाद चुनाव आयोग के सदस्य तीन हो गए। एक उच्च स्तरीय समिति लम्बे प्रशासनिक अनुभव वाले व्यक्ति को चुनाव आयुक्त बनाए जाने की सिफारिश सरकार को करती है। चुनाव आयुक्त किसी राजनीतिक दल अथवा सरकार के बजाय के लिए केवल राष्ट्रपति एवं शीर्ष न्यायालयों के लिए लोक सभा चुनाव में आठ करोड़ खर्च हो जाते हैं। पिछले चुनाव में तमिलनाडु के कुछ उम्मीदवारों ने लगभग तीस से पचास करोड़ रूपये तक बहा दिए। आंध्र में कुछ उम्मीदवारों ने हर मतदाता को दो दो हजार रूपये दे दिए। वहीँ चुनावी व्यवस्था करने वाले आयोग को सरकारी खजाने से करीब बारह हजार करोड़ खर्च करने पद रहे हैं। इस तरह विशेषज्ञों का आकलन है कि लोक सभा के एक निर्वाचन क्षेत्र पर औसतन एक सौ करोड़ रूपये खर्च हो जाते हैं। विधान सभा चुनावों में खर्च केवल अधिक सीटों की संख्या के अनुसार बंट जाता है। यह ठीक है कि लोक सभा के चुनाव सामान्यतः पांच साल में होते हैं, लेकिन राजय विधान सभाओं में अस्थिरतया की वजह से पिछले दशकों में उनके चुनावी वर्ष अलग अलग होने लगे। नतीजा यह है कि हर तीसरे चौथे महीने किसी न किसी विधान सभा, स्थानीय नगर निगमों - पालिकाओं या पंचायतों के चुनाव होते हैं। इस तरह देश और मीडिया में ऐसा लगता है मानो पुरे साल चुनावी माहौल बना हुआ है। इसके साथ ही सरकारों पर आचार संहिता लगने से विकास खर्चों पर अंकुश और विश्राम के दरवाजे लग जाते हैं। राजनीतिक लाभ किसी को हो, सर्वाधिक नुक्सान सामान्य नागरिकों का होता है।

भगवान् की तरह पूजा जाता है, लेकिन प्राकृतिक प्रकोप - बाढ़, भू स्खलन, प्रदूषण यानी पर्यावरण और ब्रिटिश राज से चली आ रही बाबुओं की लाल फीताशाही और पुराने कानून बदलने को सर्वोच्च प्राथमिकता वाले चुनावी मुद्दे नहीं बनाए जाते हैं। अधिकांश राजनीतिक पार्टियां जाति, धर्म के आधार पर उम्मीदवारों के चयन और उनके प्रभाव को महत्व देती हैं। घोषणा पत्रों में विचार सिद्धांत वायदे बड़े बड़े होते हैं, लेकिन कई उम्मीदवारों को अपना पूरा घोषणा पत्र भी याद नहीं होता है और अगले चुनाव में उनको थोड़ी हेर फेर के साथ रख दिया जाता है।हाल के वर्षों में पानी बिजली मुद्दा बना तो बस मुफ्त देने पर जोर है। गरीबों के लिए पानी बिजली अनाज मकान शिक्षा स्वास्थय निश्चित रूप से निशुल्क देना जरुरी है, लेकिन कुछ वर्षों में उन्हें सही काम काज के लायक और आत्म निर्भर बनाना अधिक आवश्यक है।पूर्वी जर्मनी सहित कई देशों के कम्युनिस्ट राज में आर्थिक प्रगति इसीलिए नहीं हो पाई, क्योंकि लोग सत्ता की दया और कथित श्रम अधिकारों के नाम पर आलसी हो गए थे। भारत में आज़ादी के बाद समाजवादी विचारों के प्रभाव का कुछ लाभ हुआ, लेकिन गरीब के बजाय मध्यम वर्ग और यहाँ तक कि सुविधा संपन्न लोग भी सरकार की निशुल्क या रियायतों का अधिक लाभ उठाते हैं। उन्हें घरेलु गैस या बिजली गरीब लोगों को मिलने वाले दामों पर चाहिए।

इसी तरह आर्थिक प्रगति, उद्योगों और रोजगार के लिए राजनीतिक पार्टियां अथवा अन्य संगठन बात करते हैं, लेकिन सड़क, पुल, कारखाने लगाने के लिए जमीन देने पर भयानक विरोध करते हैं। कई जगह वर्षों काम लटका रहता है। आधुनिकीकरण में यदि औद्योगिक व्यावसायिक कम्पनियाँ देश विदेश तक प्रभावशाली होने लगे तो उनके लाभ को लेकर सरकारों पर प्रश्न उठाने लगते हैं। आखिर सरकार स्वयं कितने रोजगार दे सकती है। रोजगार मुद्दा बने तो फिर कौशल विकास यानी स्कील डेवलपमेंट के लिए स्थानीय चुनावों में आवाज क्यों नहीं उठाई जाती। यूरोप से मुकाबले के लिए कृषि कानूनों में सुधार हो तो एक वर्ग विरोध में खड़ा हो गया। तमन्ना किसान को हवाई जहाज में बैठने की रखवाएं और उससे बैलगाड़ी और आढ़तियों पर निर्भर रहने के लिए अभियान चलाएं। बहरहाल, जर्मनी ही नहीं यूरोप, अमेरिका, जापान और खड़ी के देश बड़े पैमाने पर भारत में पूंजी लगा रहे हैं और लगाएंगे। कम से कम शेयर मार्केट तो यही संकेत दे रहा है। चुनाव होते रहें, लोकतंत्र तभी मजबूत होगा जब मतदाता और नेता भी अपनी सही प्राथमिकताएँ रखेंगे, उन्हें मुद्दे बनाकर सफलता हासिल करेंगें । किसी भी लोकतान्त्रिक व्यवस्था में प्रशानिक अधिकारी या न्यायाधीश भी उसी समाज और क्षेत्र विशेष के ज्ञान अनुभव के आधार पर आते हैं। सी बी आई में अधिकांश अधिकारी राज्यों से प्रतिनियुक्ति पर रखे जाते हैं। उन्हें कोई एक पार्टी या देवदूत नहीं लाते हैं। वकील जज बन सकते हैं या नेता और मंत्री भी। संसद या विधान सभा में कितने ही वकील आते हैं। उनमें से कोई मंत्री भी बनते हैं और पद से हटने के बाद फिर वकालत करने लगते हैं। क्या मंत्री रहते उनके निर्णयों से कम्पनियाँ प्रभावित होती हैं। लेकिन अपेक्षा यह होती है कि उनके काम में निष्पक्षता रहेगी। आख़िरकार कोई भी पद जिम्मेदार व्यक्ति को अपने कर्तव्य का ईमानदारी से पालन की अपेक्षा बढ़ाता है। कुछ लोग अपवाद हो सकते हैं। लेकिन 75 वर्षों में कर्तव्यनिष्ठ लोगों से ही लोकतंत्र की जड़ें मजबूत हुई हैं और होती रहेंगी।

(: यह लेखक के निजी विचार हैं)

चुनाव आयोग पर ही कालिख पोतने का प्रयास कर रहे हैं। कभी देश में अपनी ही सरकार द्वारा शुरु की गई इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन पर सवाल उठाते हैं, तो कभी चुनाव अधिकारी पर। जिस चुनाव में अपना उम्मीदवार विजयी होता है, तब चुनावी व्यवस्था ठीक और निष्पक्ष लगती है, चुनावी हार होने पर जनता क़े फैसले को स्वीकारने क़े बजाय चुनाव - मतदान और अधिकारी पर बेइमानी क़े आरोप लगा देते हैं। जहाँ तक वोटिंग मशीन की बात है पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ओ पी रावत, एस वाई कुरैशी, सुनील अरोड़ा ही नहीं सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ तक मशीन के उपयोग को पूरी तरह विश्वसनीय बता चुके हैं। वे यह कहते हैं कि पार्टियां अनुकूल जीत होने या अदालती फैसला आने को न्याय और प्रतिकूल होते ही अन्याय और गड़बड़ी का हंगामा करने लगते हैं।

यह आलोचना और गैर जिम्मेदाराना काम नहीं तो क्या कहा जाएगा ?। लेकिन विरोधी नेता तो चुनाव आयोग, सर्वोच्च अदालत, सी बी आई, भारतीय सेना तक के निर्णयों और कार्यों पर प्रश्न चिन्ह लगाने, उनकी निष्पक्षता पर गन्दगी डालने में तनिक संकोच नहीं कर रहे हैं। संवैधानिक और लोकतान्त्रिक संस्थाओं और उनके शीर्ष व्यक्तियों की ईमानदार छवि पर दाग लगाना भारतीय लोकतंत्र की छवि बिगाड़ना ही है। देश और लोकतंत्र की छवि बिगड़ने से भारत में भारी पूंजी लगाने के लिए उत्सुक विदेशी कंपनियां और प्रवासी भारतीय भी दुविधा में फंस रहे हैं। लोकतंत्र में मभेद, असंतोष, राजनीतिक विरोध, आरोप - प्रत्यारोप, क़ानूनी कार्रवाई के साथ सामाजिक आर्थिक विकास स्वाभाविक है, लेकिन क्या कोई सीमा रेखा नहीं होनी चाहिए।

राहुल गाँधी और उनके अज्ञानी सहयोगी कम से कम अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के पचास सालों के भाषण, सम्मेलनों में कही गई बातों और संसद में अथवा बाहर भी विरोधी नेताओं के तीखे भाषणों का अध्ययन कर सकते हैं। आपात काल के अपवाद को छोड़कर लगभग सभी प्रमुख दलों, विचारों के नेता सत्ता और प्रतिपक्ष में रह चुके हैं। इंदिरा गाँधी को सत्ता से हटने के बाद कुछ दिन जेल भी जाना पड़ा, कितने छापे पड़े, लेकिन उन्होंने या उनके सहयोगियों ने लोकतंत्र ख़त्म होने का आरोप नहीं लगाया। बाद में वह और पार्टी सत्ता में आई, तो आंदोलनों से विरोध हुआ लेकिन यह किसी ने नहीं कहा कि लोकतंत्र ही ख़त्म हो गया। पूर्वाग्रह और राजनीतिक बदले के आरोप लगते हैं । लालू यादव भी अदालत से न्याय की बात कहकर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी पर गुस्सा निकालते हैं। जय प्रकाश नारायण, मोरारजी देसाई, चौधरी चरण सिंह, अटल जवाबदेह होते हैं। चुनाव प्रक्रिया के दौरान प्रदेशों की प्रशासन व्यवस्था चुनाव आयोग के पास आ जाती है।

'एक देश, एक चुनाव' का मुद्दा भी इसी तरह का समझा जाना चाहिए। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने यदि इसे उठाया है, तो इसे केवल उनकी पार्टी के एकछत्र राज और अनंत काल तक सत्ता बानी रहने वाला मुद्दा क्यों समझा जाना चाहिए ? केवल तानाशाही अथवा कम्युनिस्ट व्यवस्था में यह संभव है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह कोई नया मोदी मन्त्र नहीं है। संविधान निर्माताओं द्वारा स्थापित लोकतंत्र के आधार पर 1952 से 1967 तक चली आदर्श व्यवस्था को पुनः अपनाना मात्र है। ऐसा भीं नहीं कि देश में एक साथ चुनाव होने पर करोड़ों का खर्च बढ़ जायेगा अथवा क्षेत्रीय और स्थानीय स्तर की पार्टी अथवा निर्दलीय उम्मीदवार नहीं जीत सकेंगे। सत्तर वर्षों का इतिहास गवाह है कि अरबपति उद्योगपति, राजा महाराजा, प्रधान मंत्री तक चुनाव हारे हैं और पंचायत स्तर तक जनता के बीच चुनकर आये बिना मंत्री और प्रधान मंत्री भी रहे हैं।हाँ, मंडी के बिचौलियों की तरह चुनावी धंधों से हर साल करोड़ों रुपया कमाने वाले एक बड़े वर्ग को आर्थिक नुक्सान होगा। यही नहीं निरंतर चुनाव होते रहने पर अपनी आवाज और समर्थन के बल पर पार्टियों में महत्व पाने वाले नेताओं को भी घाटा उठाना पड़ेगा और किसी सदन में रहकर ही अपनी धाक जमानी पड़ेगी।

जहाँ तक खर्च की बात है राजनीतिक दलों को ही नहीं, देश के लाखों मतदाताओं - करदाताओं का का करोड़ों रुपया बच जाएगा।भारत के प्रतिष्ठित शोध संसथान सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज की एक रिपोर्ट के अनुसार 2019 के लोक सभा चुनाव में करीब साठ हजार करोड़ रूपये खर्च हुए। जरा सोचिये लोकसभा के पहले तीन चुनावों यानी 1952, 1957 और 1962 में केवल दस करोड़ रूपये खर्च होते थे। उदार अर्थ व्यवस्था आने के बाद पार्टियों और उम्मीदवारों के पंख आकाश को छूने वाले सोने चांदी हीरे मोती से जड़े दिखने लगे। अदालतों और चुनाव आयोग ने उनके वैधानिक चुनावी खर्च की सीमा बढाकर सत्तर लाख और विधान सभा क्षेत्र के लिए अट्ठाइस लाख रूपये कर दी, लेकिन व्यावहारिक जानकारी रखने वाले हर पक्ष को मालूम है कि पार्टी और निजी हैसियत वाले नेता लोक सभा चुनाव में पांच से दस करोड़ रूपये खर्च करने में नहीं हिचकते। कागजी खानापूर्ति के लिए उनके चार्टर्ड अकाउंटेंट हिसाब बनाकर निर्वाचन आयोग में जमा कर देते हैं। महाराष्ट्र के एक बहुत बड़े नेता ने तो सार्वजनिक रूप से स्वीकार कर लिया था कि

भगवान के दर्शन मंदिर में और उनके गुण कथा में सुनते हुए ग्रहण करना चाहिए : पंडित कमल किशोर नगर

■ कथा के चौथे दिन लगभग 50 हजार श्रद्धालुओं ने कथा श्रवण की

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

उप नगर बनापुरा के दूधियावड़ के पास मालवा माटी के संत श्री कमल किशोर नगर जी के मुखारविंद से भागवत रूपी ज्ञान गंगा के चौथे दिन सिवनी मालवा सहित दूर-दूर से आए लगभग 50 हजार श्रद्धालुओं ने कथा को श्रवण किया।

कथा को श्री नागर जी ने विस्तार देते हुए बताया कि परमात्मा के समीप एवं प्रिय रहना रहना है तो हमेशा छोटे बनो उन्होंने कहा तुलसी से बबुल के पेड़ ने कहा कि मुझे देख में कितना विशाल हूं तू तो छोटी सी है तुलसी ने बहुत सी शांत मन से कहा कि मैं छोटी हूं परंतु मुझ पर ईश्वर की कृपा है प्रभु कृपा से मैं उनके गले में पहनी जाती हूं एवं उनका भोजन मेरे बगैर नहीं होता तू बड़ा होने के कारण बार-बार छटता है कटता है और अंत में अग्नि में जलाया जाता है। कथा में आगे कहा कि जिंदगी केवल दो दिन की ही होती है एक दिन जन्म का और एक दिन मरण का बाकी समय जीवन की आपाधापी में निकल जाते हैं ।

हाथी को भगवान गणेश का प्रतीक मानते हैं क्योंकि हाथी अपनी सूंड से धूल भरकर अपने सिर ओर शरीर पर डालता है वह उसी धूल में भगवान के चरण रज को ढूंढने का प्रयास करता है जिसने अहिल्या को तार दिया था । भगवान की कथा हमेशा गुण प्रदान करती है भक्त की भावना एवं वक्ता की भावना दोनों मिलकर सदुण प्रदान करते हैं भगवान का संदेश कथा वाचक के माध्यम से प्राप्त होते हैं कथा वाचक सदैव भगवान का संदेश लेकर श्रोताओं के बीच आता है। भगवान के दर्शन मंदिर में करना चाहिए एवं उनके गुण कथा में सुनते हुए ग्रहण करना चाहिए । आपके भजन में सदैव बजन होना चाहिए 1 रूपये का नोट और 1 रूपये का सिक्के में भी सिक्का ही पवित्र नदियों में भेंट किया जाता है। व्यक्ति का गृहस्थ जीवन एक संत के समान होना चाहिए गुरु से केवल गुण एवं ज्ञान ही ग्रहण करना चाहिए। नीलकंठ अपना जीवन यापन कीड़े मकोड़े खाकर करते हैं परंतु उनका दर्शन शुभ फलदाई हो सकता है ।

देवता और नेता में अंतर बताते हुए नागर जी ने कहा देवता सुनते हैं बोलते नहीं परंतु नेता बोलते हैं सुनते नहीं कथा में आज भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया।

राम जी बाबा मेले की तैयारी शुरू, 11 फरवरी को होगा मेले का उद्घाटन

नर्मदापुरम्। संत शिरोमणी श्रीरामजी बाबा मेले का उद्घाटन 11 फरवरी को पूर्णिमा से एक दिन पहले विधिवत और अतिथिगणों की मौजूदगी में किया जाएगा। दुकानों का आवंटन जारी है। रविवार को मेला स्थल पर मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले, सहित व्यापारी गण उपस्थित रहे। देर शाम तक सीएमओ और नपा की टीम द्वारा मेले में दुकानों आवंटन किया जा रहा था। सीएमओ हेमेश्वरी पटले ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए मेले में सीसीटीवी भी लगाए जाएंगे। मेले की हर समय सीसीटीवी से निगरानी रखी जाएगी। सीसीटीवी केमरे लगाने के लिए स्थान चिह्नित किए जा रहे हैं। नपाध्यक्ष नीतू यादव ने श्रद्धालुगणों और व्यापारीगणों से आग्रह किया है कि वे नर्मदांचल के महान संत शिरोमणी श्री रामजी बाबा मेले में आएं और मेले का आनंद लें।

रजक समाज द्वारा मनाया जाएगा संत गाडगे जयंती कार्यक्रम

नर्मदापुरम्। रजक समाज के आराध्य संत शिरोमणि गाड़गे बाबा की जन्मजयंती कार्यक्रम 23 फरवरी को रजक समाज समाज द्वारा बड़े ही उल्लास व धूमधाम से मनाया जाएगा। आयोजन की तैयारियों को लेकर रविवार को रजक समाज जिलाध्यक्ष महेश बाथरे की अध्यक्षता में परमहंस घाट स्थित संत गाड़गे प्रतिमा परिसर में समाज के पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की शुरुआत संत गाड़गे बाबा प्रतिमा पर माल्यार्पण कर हुई। बैठक में कार्यक्रम आयोजन की रूपरेखा तय की गई एवं पदाधिकारियों को आवश्यक जिम्मेदारी सौंपी गई। रजक समाज नगर अध्यक्ष मनीष परदेशी ने बताया कि संत गाड़गे बाबा के जयंती कार्यक्रम सर्किट हाउस के पास पीडब्ल्यूडी कॉलोनी के पास मनाएगा। सुबह संत गाड़गे प्रतिमा पर पूजन महाआरती की जाएगी। समाज की प्रतिभाओं व बुजुर्गों का सम्मान भी किया जाएगा। साथ ही भंडारा किया जाएगा। इस बैठक में रजक समाज के कैलाश कन्नौजिया, वीरेंद्र तिलोटिया, रामगोपाल मालवीय, शंकर परदेशी, राजेंद्र मालवीय, प्रकाश केनेकर, इमरतलाल मालवीय, एडवोकेट राजेश आर्य , रमेश मनवारे, परसराम पवार, विष्णु राव, प्रशांत पचौरी, दुर्गेश सोनिया, मनोज परदेशी, शैलेंद्र कन्नौजिया सहित अन्य सामाजिक सदस्य उपस्थित रहे।

सेठानी घाट पर चलाया स्वच्छता अभियान

नर्मदापुरम। नर्मदा घाट को स्वच्छ बना रखने के लिए कृत संकल्पित जय हो समिति द्वारा नर्मदा घाटों को स्वच्छ रखने का अभियान निरंतर जारी है। इस कड़ी में समिति ने रविवार को अपने स्वच्छता अभियान का 241वां सप्ताह पूरा किया। समिति के सदस्यों ने सुबह सेठानी घाट पर श्रमदान कर सफाई अभियान चलाया। इस दौरान घाट से प्लास्टिक कचरा, पॉलीथिन और अन्य अपशिष्ट पदार्थों को हटाया गया। उन्होंने स्थानीय जनता से आग्रह किया कि सभी मिलकर इस पवित्र नदी को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त रखने में सहयोग करें। समिति द्वारा यह अभियान पिछले 241 सप्ताह से लगातार चलाया जा रहा है। सफाई अभियान में समिति अध्यक्ष अर्पित मालवीय सहित समिति के गणेश यादव, संजू प्रजापति, सागर पटेल, विशाल बावरिया, सौरभ वर्मा, राजेश वर्मा, अजय बावरिया, जतिन यादव समेत सुजीत कैथवास, किशन सराठे, अनुराग वर्मा, कौशिक बावरिया, राजा मालवीय अनेक लोग उपस्थित थे।

मोटरसाइकिल से शराब परिवहन कर रहे युवकों को पकड़ा, 44 देशी पाव बरामद

नर्मदापुरम। जिला प्रशासन द्वारा अवैध शराब परिवहन के विरुद्ध कार्यवाही जारी है. जिला आबकारी अधिकारी अरविंद सागर के मार्गदर्शन में जिले अवैध शराब विक्रय, परिवहन के विरुद्ध विशेष अभियान के अंतर्गत रविवार को को दोपहर के समय मुखबिर की सूचना के आधार पर बांद्राभान से सांगाखेड़ा रोड पर ग्राम सांगाखेड़ा में आरोपी ओमप्रकाश यादव पिता छोटेलाल यादव निवासी आंचलखेड़ा के द्वारा मोटर साइकल से परिवहन करते हुए 44 पाव देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया । उक्त आरोपी के विरुद्ध मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (1) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर मोटर साइकल एवं मदिरा कब्जा आबकारी लिया गया। मदिरा एवं मोटरसाइकल की कुल कीमत लगभग ?55,000 आंकी गई है. की गई कारवाई में आबकारी उप निरीक्षक वासुदेवाचार्य त्रिपाठी , आरक्षक योगेश कुमार एवं भावना यादव का विशेष योगदान था । जिला आबकारी अधिकारी अरविंद सागर द्वारा बताया गया कि जिले भर में आबकारी टीमों के द्वारा आबकारी अपराधों के रोकथाम हेतु कार्यवाहियां की जा रही हैं एवं आगे भी निरंतर जारी रहेंगी।

परिवहन विभाग और पुलिस प्रशासन मेहरबान

क्षमता से अधिक सवारियां ढो रहे रिक्शा कुछ बोनट पर खड़े होकर कर रहे सफर

विशाल रजक तेन्दूखेड़ा , दोपहर मेट्रो

जिले के तेंदूखेड़ा नगर एवं क्षेत्र में क्षमता से अधिक सवारियां बिठाकर परिवहन करने वाले ऑटो रिक्शे सहित अन्य वाहनों पर परिवहन विभाग और पुलिस महकमा मेहरबान नजर आ रहा है। जिसका नतीजा आए दिन हादसों के रूप में सामने आ रहा है। विडंबना यह है कि जिम्मेदारों के सामने से ही ऐसे वाहन गुजर जाते हैं पर उन्हें रोकने-टोकने की जहमत कोई नहीं उठाता है। यात्री बस, मालवाहन वाहन एवं आटो चालकों द्वारा खुले आम परिवहन नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं, जो आमजन को तो नजर आती हैं पर पुलिस-प्रशासन में बैठे जिम्मेदारों को दिखाई नहीं देती है।

हालांकि इतना जरूर है कि कागजी खानापूर्ति के लिए कभी-कभार पुलिस वाहन चेकिंग लगाकर चालान काटती है। ग्रामीण क्षेत्रों में चलने वाले ऑटो रिक्शा चालक पुलिस की नजर के सामने से ही झमता से ज्यादा सवारियां बिठाकर सवारियां ढोते निकल जाते हैं। नियम के तहत एक ऑटो में 3 सवारियां बिठाई जा सकती हैं पर यहां मनमानी का खेल चल रहा है। ऑटो चालक करीब 15 से 20 सवारियों को बिठा लेते हैं। जिसमें कुछ लोग पीछे बोनट पर, चालक और सवारियों के पास खिड़की पर भी लटकते हुए नजर आते हैं। उधर सामग्री के लिए पंजीकृत मालवाहकों में भी ठूंस-ठूंस कर सवारियां ढोने का सिलसिला जारी है। जबकि पहले ओव्हर लोडिंग पिकअप वाहनों की वजह से कई दुर्घटनाएं भी हो चुकी है लेकिन न तो लोग सचेत हुए और न ही पुलिस प्रशासन। जबलपुर-पाटन मार्ग, तारादेही मार्ग, दमोह मार्ग, खकरिया मार्ग, जामुनखेड़ा मार्गों पर ये नजारे अब आम बात हो गए है। इसके अलावा ट्रैक्टर-ट्रालियों, डंपरों में भी रेत पत्थर व गिट्टी का भी परिवहन भी असुरक्षित तरीके से किया जा रहा है।

बगैर नंबर प्लेट के दौड़ रहे ऑटो, नहीं होती जांच

ऑटो रिक्सों की पड़ताल की तो दर्जनों ऑटो रिक्सा ऐसे दिखे जिनमें नंबर प्लेट नहीं लगी थी. कुछ ही हालत भी बेहद खराब थी, कुछ में तो देखने पर लगा कि जैसे नाबालिग ऑटो चला रहे हो। वहीं स्कूली बच्चों को भी आटों में लटकते हुए देखा गया। बता दें कि ये समस्या आज की नहीं, बल्कि कई सालों से है। जिस संबंध में स्थानीय जागरूक लोग समय-समय पर पुलिस, परिवहन विभाग सहित स्थानीय एवं जिला प्रशासन में बैठे अधिकारियों को अवगत कराते हुए आए हैं लेकिन जिम्मेदारों द्वारा इस ओर कार्रवाई नहीं करना, कहीं न कहीं लगता है कि जैसे उन्हें आमजन की जान से कोई परवाह नहीं है। खासबात ये हैं कि नगर स्थित पुलिस थाना, तहसील सहित अन्य सरकारी दफ्तरों से भी ऐसे वाहन बेधड़क गुजर रहे हैं

यातायात के नियमों का नहीं हो रहा पालन

क्षेत्र में दौड़ने वाले ऑटो रिक्सा, मालवाहक सहित अन्य वाहनों में से शायद ही कुछ यातायात नियमों का पालन करते हुए मिल जाए, पर ऐसा हो, नहीं लग रहा है क्योंकि ये यहां के वाहनों के हालात खुद बयां कर रहे हैं। गौर करने वाली बात ये हैं कि कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिला मुख्यालय सहित अन्य पुलिस थाना क्षेत्र में वाहन चैकिंग लगाकर ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई लगातार की जा रही है पर तेंदूखेड़ा में ऐसा कभी-कभार ही देखने को मिलता है। चालक कहीं ड्रिंक एंड ड्राइव तो नहीं कर रहा, उसके पास लायसेंस सहित अन्य कागजात है कि नहीं सहित अन्य जरूरी बातों को कभी भी नहीं परखा जा रहा है। खास बात ये हैं कि ऑटो रिक्श, मालवाहक वाहनों में क्षमता से अधिक सवारियां बिठाकर तेज रफ्तार में परिवहन भी किया जा रहा है। फिर चाहे मार्ग पर अंधा मोड़ या फिर ब्रेकर, चालक को सवारियों की परवाह नहीं होती है।

महिलाओं ने किया हल्दी कुमकुम का कार्यक्रम

इटारसी, दोपहर मेट्रो

श्री गौड़ मालवीय ब्राह्मण समाज में हल्दी कुमकुम का कार्यक्रम सभी सामाजिक महिलाओं ने धूमधाम से मनाया। सर्व प्रथम मां गौरी की पूजन कर हनुमान चालीसा का पाठ किया। तत्पश्चात सभी सामाजिक बहनों को एक दूसरे ने सुहाग सामग्री बाटी,साथ ही कुछ खेल भी खेले। जिसमें महिला मंडल की पदाधिकारियों ने अपना पूर्ण सहयोग किया और इस कार्यक्रम को सफल बनाया। इस दौरान संरक्षक ममता मालवीय, प्रभा मालवीय,अध्यक्ष अर्चना मालवीय, श्रीमती शीला मालवीय किरण मालवीय, विभा मालवीय, सीमा विश्वकर्मा, संगीता मालवीय, ललिता मालवीय, सुषमा मालवीय, कोषाअध्यक्ष संगीता मालवीया, राजा बाई मालवीय, माया मालवीय, त्रिवेणी मालवीय निर्मला मालवीय, अनीता मालवीय मीनू मालवीय, रीना मालवीय,नीतू मालवीय, शोभा मालवीय, अनीता मालवीय, रंजना मालवीय, अनुसुइया मालवीय, पुष्पा मालवीय, सोनम मालवीय, ज्योति मालवीय उपस्थित रही।

फुटबॉल मैच का समापन : नकद राशि व खिलाड़ियों को किट प्रदान कराएँगे शर्मा

इटारसी, दोपहर मेट्रो

रेलवे बॉयज फुटबॉल क्लब एवं वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ मुख्य शाखा इटारसी के द्वारा आयोजित अंडर 15 एवं जिला स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन रविवार को हुआ। जोनल महामंत्री अशोक शर्मा के मार्गदर्शन में युवाओं को जोड़ने के लिए अनूठा अभियान चलाया जा रहा है जिसमें क्रिकेट, फुटबॉल ,कबड्डी ,वालीबाल एवं अन्य प्रतियोगिताएं कराई जाएगी। इसी श्रृंखला 3 फरवरी से 8 फरवरी तक नया यार्ड फुटबॉल मैदान पर फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, समापन के दौरान विधायक डॉ सीताशरण शर्मा, मंडल अध्यक्ष राजेश पांडे,मंडल कार्यकारी अध्यक्ष नितिन परमार, मंडल कोषाध्यक्ष भागीरथ मीणा , ए ई एन नरेश बरईया ,महाकाल कश्यप ,कुंदन अगलावे , नितिन ओंकार , आकाश यादव ,गुलाब सरोदे अनिल गुप्ता ,संतोष दुबे, बाबूलाल बैरवा मौजूद रहे। फाइनल मैच में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे, ग्राम पंचायत मेहरागांव के सरपंच जीतू पटेल ,मंडल अध्यक्ष राहुल चौरे,डॉ नीरज जैन ,जयप्रकाश सचान, समाजसेवी मनीष ठाकुर, एसडीओपी वीरेंद्र मिश्रा रहे। पैरामाउंट क्लब ने अंतिम समय में हर्षित के द्वारा किए गए गोल से विजेता का खिताब जीता वही अंडर 15 फुटबॉल प्रतियोगिता में रेलवे बॉयज फुटबॉल क्लब ने फाइटर क्लब को हराकर विजेता ट्रॉफी पर अपना कब्जा किया। इस मौके पर विधायक डॉ सीता शरण शर्मा द्वारा क्लब को 15 हजार रूपये देने की घोषणा की व खिलाड़ियों के लिए किट प्रदान करने का आश्वासन दिया।

मेट्रो एंकर श्री राम जन्म महोत्सव समिति की वार्षिक बैठक संपन्न

आयोजन समिति पुनर्गठित, नए पदाधिकारी को विधायक ने बधाई दी

इटारसी, दोपहर मेट्रो

श्री राम जन्म महोत्सव समिति की वार्षिक बैठक द्वारकाधीश बड़ा मंदिर के सत्संग हाल में संपन्न हुई। समिति के कार्यकारी अध्यक्ष विपिन चांडक ने सभी अतिथियों का पुष्प हार से स्वागत किया। बैठक में आगामी वर्ष के आयोजन के लिए समिति का पुनर्गठन किया गया। संरक्षक पद पर सतीश अग्रवाल सांवरिया, उमेश अग्रवाल, रमेश चांडक, एवं प्रदीप मालपानी को सर्वसम्मति से मनोनीत किया गया। एवं अध्यक्ष पद पर डॉ नीरज जैन, सचिव पद पर अभिषेक तिवारी एवं उपाध्यक्ष पद पर विष्णु शंकर पांडे डैनी भाई का सर्वसम्मति से निर्वाचन किया गया। इसके अलावा बैठक में मौजूद सभी नागरिकों को श्री राम जन्म महोत्सव समिति की नवीन सदस्यता दी गई। समिति के मुख्य संरक्षक डॉ सीतासरन शर्मा ने अपने उद्बोधन में श्री राम जन्म महोत्सव के अतीत के आयोजनों को याद किया और कहा कि 60 वर्ष से अधिक का समय इस धार्मिक आयोजन को हो गया है, इसे निरंतर चलते रहना चाहिए। नई पीढ़ी को ज्यादा से ज्यादा इसमें शामिल होना चाहिए एवं प्रतिदिन प्रवचन में अधिक से अधिक संख्या में श्रद्धालु आए इसका विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। डॉ शर्मा ने नई समिति से अनुरोध किया कि श्री राम जन्म महोत्सव समिति के आयोजन में और जो भी बदलाव किए जा सकते हैं,उस संबंध में विचार करें। ताकि उसे क्रियान्वित किया जा सके। डॉ शर्मा ने नवनिर्वाचित पदाधिकारी को बधाई दी एवं निवृत्तमान अध्यक्ष सतीश अग्रवाल सांवरिया के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ नीरज जैन ने कहा कि प्रभु श्री राम के काज के लिए मुझे जो दायित्व सोपा गया है,उसका इमानदारी से पालन करूंगा एवं आयोजन में भव्यता कैसे आए सभी साथियों के सहयोग से प्रयास करेंगे। समिति के संरक्षक प्रमोद पगारे ने बताया कि सन 1963 से हमारे पूर्वजों ने इस आयोजन को प्रारंभ किया था। कोषाध्यक्ष प्रकाश मिश्रा की अनुपस्थिति में संरक्षक प्रमोद पगारे ने वर्ष 2023-- 24 का आय व्यय प्रस्तुत किया। आय व्यय को सभी ने स्वीकृति प्रदान की । पगारे ने कहा कि इस वर्ष यह आयोजन 30 मार्च रविवार से 6 अप्रैल रविवार तक होगा, देश के ख्याति प्राप्त प्रवचनकर्ता महेंद्र मिश्रा मानसमणी चित्रकूट से प्रवचन देने के लिए इटारसी आ रहे हैं। इस अवसर पर मुख्य संरक्षक डॉ सीता शरण शर्मा ने दान संग्रह के लिए अमित सेठ दरबार एवं देवेंद्र पटेल का पुष्प हार पहनाकर आभार व्यक्त किया। आभार प्रदर्शन नवनिर्वाचित सचिव अभिषेक तिवारी द्वारा किया गया ।समिति की वार्षिक बैठक में एम. एल. गौर, मिलिंद रोंघे,, मयंक महतो, जय किशोर चौधरी, कैलाश चंद्र सेन संजय एच अग्रवाल, अजय सिंह पटेल, आरके यादव,राजेश जैन कादर, आशुतोष अग्रवाल, आरुष अरोरा, आदित्य गांधी, नारायण दुन्धवी, संदेश अग्रवाल,विजय सिंह पटेल, आरके यादव, सुनील दुबे शिक्षक, सुरेंद्र राजपूत सोनी विशेष रूप से मौजूद थे।

शमशाबाद में अवैध कॉलोनी निर्माण पर कलेक्टर की कार्यवाही

बगैर अनुमति के भूखंडों का अंतरण और विक्रय प्रतिबंधित किया

■ सिरोंज की 29 अवैध कॉलोनियों के प्लाटों की बिक्री पर रोक के आदेश जारी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने आदेश जारी कर शमशाबाद नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 04 निवासी अनावेदक मनोज पुत्र बटनलाल कुशवाह के स्वत्व की नगर परिषद सीमाक्षेत्र प.ह.नं. 06 स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 311/1/2/4/1 रकबा 0.280 हेक्टेयर भूमि का अंतरण, विक्रय अधोहस्ताक्षरकर्ता की अनुमति के बगैर निषेधित, प्रतिबंधित कर दिया है।

कलेक्टर श्री सिंह के द्वारा जारी आदेश में उल्लेख है कि आदेश के उल्लंघन की स्थिति मे किये गये समस्त अंतरण शून्य होंगे। जिला पंजीयक, विदिशा उक्त आदेश का पालन कराया जाना सुनिश्चित करेंगे।
अनावेदकगण को यह भी आदेशित किया गया है कि वह उक्त भूमि की अनाधिकृत कॉलोनी के सभी चिन्हांकन और सभी प्रकार के निर्माण 15 दिवस की अवधि मे हटाया जाना सुनिश्चित करें, अन्यथा निर्धारित अवधि पश्चात आदेश के उल्लंघन पर उक्त नियम-22 (4) के तहत अनाधिकृत कॉलोनी के सभी चिन्हांकन और सभी प्रकार के निर्माण कार्य हटाये जाने की कार्यवाही की जाएगी और इस संबंध में शासन द्वारा की गई

कार्यवाही मे होने वाले व्यय को अनावेदक से भू-राजस्व की बकाया के तौर पर वसूल किया जाएगा। अनावेदकगण के विरूद्ध अधिनियम के सुसंगत उपबंधों के तहत दाण्डिक कार्यवाही के लिये संबंधित पुलिस थाने मे प्राथमिकी भी दर्ज करायी जाएगी।

उपखण्ड अधिकारी शमशाबाद श्री अजय प्रताप सिंह पटेल के द्वारा प्रतिवेदन प्रकरण प्रस्तुत किया था कि नगर परिषद शमशाबाद भूमि सर्वे क्रमांक 311/1/2/4/1 रकबा 0.280 हेक्टेयर पर अनावेदक मनोज कुशवाह पुत्र बटनलाल कुशवाह निवासी वार्ड नं. 04 भगवानपुर रोड शमशाबाद द्वारा, बगैर कॉलोनी विकास अनुमति प्राप्त किये उक्त भूमि पर भू-खण्डों का विक्रय किया जाकर अनाधिकृत कॉलोनी का निर्माण किया जा रहा है।

उपखण्ड अधिकारी शमशाबाद के प्रतिवेदन पर अनावेदक पक्ष को कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर भूमि का व्यपवर्तन/पुर्ननिर्धारण आदेश, कार्यालय नगर तथा ग्राम निवेश से अनुमोदित अभिविन्यास, कॉलोनाइजर का रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र, कॉलोनी विकास की अनुमति एवं भूमिस्वामित्व संबंधी खसरा, रजिस्टर्ड विक्रय-पत्र, आदि विधिक दस्तावेज प्रस्तुत किये जाने का अवसर प्रदान किया गया।

अनावेदक द्वारा कारण बताओ सूचना पत्र प्राप्ति उपरांत लिखित जवाब प्रस्तुत किया गया जिसके साथ कोई कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किये गये। अनावेदक द्वारा अपने स्वत्व की उक्त भूमि पर विधिक अनुमति आदि प्राप्त किये बगैर अनाधिकृत कॉलोनी का निर्माण किया जा रहा है, जो मध्यप्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1961 की धारा-339 ग (2). (3) के तहत दण्डनीय अपराध है, जो म.प्र. नगरपालिका (कॉलोनी विकास) नियम, तहत कार्यवाही प्रस्तावित की जायेगी।

सिरोंज की 29 अवैध कॉलोनियों के प्लाटों की बिक्री पर रोक के आदेश जारी

विदिशा कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने जिले की 29 अवैध कॉलोनियों के प्लाटों की बिक्री पर रोक लगाने का आदेश जारी कर दिया है। जारी आदेश का अक्षरशः पालन व सूचित करने के निर्देश जिला पंजीयक व अधिनस्थों को दिए गए हैं। कलेक्टर श्री सिंह के द्वारा जारी आदेश में 29 अवैध कॉलोनी संचालकों पर कार्रवाई की गई है जिसमें विदिशा तहसील की 12 और शमशाबाद तहसील की 17 कॉलोनी संचालक शामिल है। कलेक्टर श्री सिंह द्वारा जारी आदेश का हवाला देते हुए संयुक्त कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी ने जिन कालोनी संचालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई के संबंध में बताया कि दौलतराम पुत्र श्यामलाल कुशवाह, चंन्द्रमोहन पुत्र जगमोहन साहू, प्रमोद पुत्र बालाराम कुशवाह, रमेश पुत्र बटनलाल कशवाह, घनश्याम पुत्र जगन्नाथ प्रसाद साहू, राकेश पुत्र रामप्रसाद ब्राम्हण, रामकिशन पुत्र प्रभूलाल भोई, हीरालाल पुत्र जगन्नाथ साहू, पुरुषोत्म पुत्र रामगोपाल माहेश्वरी, राजेन्द्र पुत्र भीकम चंद साहू, कृष्णकुमार पुत्र रामप्रसाद ब्राम्हण, श्रीमति सुशीला बाई पत्नि दौलतराम विश्वकर्मा, प्रकाश पुत्र रामदयाल झा, मनोज पुत्र बारेलाल साहू, मनोज पुत्र बटनलाल कुशवाह, प्रकाश पुत्र बटनलाल कुशवाह,गोपाल पुत्र बारेलाल कुशवाह, अमरसिह पुत्र हीरजसिंह ठाकुर इंदरसिंह पुत्र शंकरसिंह, रमेश पुत्र हरग्यान सिंह यादव, श्रीमति साधना पत्नि नरेन्द्र शर्मा, उमांशकर पुत्र बृन्द्रावन दुबे, बाबूलाल पुत्र तुलसीराम काछी, गुफरान पुत्र हबीब खांन, संजय पुत्र बेनीप्रसाद विश्वकर्मा, वीरेन्द्र पुत्र काशीराम शर्मा, प्रदीप पुत्र कामता प्रसाद शर्मा, डोंगरसिंह पुत्र चेन सिंह कुशवाह, संदीप पुत्र नरेश कुमार तारण शामिल हैं।

25 से साल बिन किराया दिए चल रहा है गोदाम!

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

कृषि उपज मंडी के अधिकारियों और कर्मचारियों का भी अजब गजब करनामा सामने आया है। मंगल वेयरहाउस के मालिक ने इसको 2001 में कृषि मंडी से किराए पर लिया था पर वेयरहाउस लेने वाले मालिक के द्वारा मंडी अधिनियम की धाराओं का खुलेआम उल्लंघन किया है। गोदाम किराए पर लेने के बाद ना ही तो अनुबंध को रिनुअल करवाने का कार्य किया है बिना किराए के ही गोदाम को अपने पास रखा हुआ है जब इसकी जानकारी एसडीएम को लगी तो उन्होंने इसके संबंध में दस्तावेज मांगे तो पता चला कि 2001 में गोदाम को किराए पर लिया था उसके बाद अनुबंध भी नहीं करवाया ना ही किराया जमा किया फिर गोदाम खाली करने के लिए एसडीएम ने नोटिस थमाया उसके बाद कई दिनों तक तो दस्तावेज नहीं दिए दवा बनाया तो दस्तावेजों देने के बाद इसका खुलासा हुआ है कि बिना अनुबंध के ही गोदाम चल रहा था। अब प्रशासन ने इसको इनके कब्जे से खाली करवाने के लिए मंडी के अधिकारियों को दिशा निर्देश एसडीएम के द्वारा दिए हैं। जल्दी ही गोदाम खाली हो जाएगा यह भी नाले के निर्माण में बाधा उत्पन्न कर रहा है।

निर्माण के दौरान दीवाल गिरने से मजदूर की हुई मौत, एसडीएम ने दिलवाई 5000 की सहायता राशि

सिरोंज। रविवार को ग्राम देवपुर में निर्माण के दौरान मकान की दीवाल करने से मजदूर मृत्यु हो गई है। जिसका नाम रमेश अहिरवार उम्र 40 साल निवासी ग्राम देवपुर है। फरियादी - इमरत सिंह अहिरवार पुत्र स्व. लोहरिया अहिरवार उम्र 30 साल निवासी ग्राम देवपुर की रिपोर्टट पर मार्ग का प्रकरण कायम हुआ है पुलिस ने बताया कि रमेश अहिरवार गाँव में ही मेहरवान कटारियाँ के यहाँ महीने से काम पर लगा हुआ था प्रतिदिन की तरह रविवार को काम पर गया था। दोपहर 3 बजे करीबन दीना अहिरवार ,राहुल अहिरवार जो मेहरवान के यहां काम करते है वह गाडी से भाई रमेश अहिरवार के घर लेकर आएं थे और उन्होने बताया कि मेहरवान सिंह के यहा दीवार बनाने का काम चल रहा था दीवार रमेश के ऊपर गिर गई जिससे रमेश को चोटे आई है । इलाज के लिए उसको अस्पताल लाया गया जहां पर जांच के बाद मृत्यु घोषित कर दिया पुलिस ने मार्ग कायम करके मामले को जांच में लिया है। इधर एसडीएम हिमाचल चैधरी ने मजदूर को तत्काल अंत्येष्टि के लिए 5000 की सहायता राशि थी उपलब्ध कराई है बाकी अन्य सहायता नियम के तहत देने की बात कही है।

पत्रकार महासंघ की बैठक में तीसरी बार निर्विरोध अध्यक्ष बने रोहिताश्व

सिरोंज। पत्रकार महासंघ की भैरव गंज स्थित गर्भ गृह हनुमान मंदिर प्रांगण में रविवार दोपहर साढे 12 बजे बैठक आयोजित कि गयी बैठक में सभी सदस्यों द्वारा विभिन्न् समस्याओं पर चर्चा कर संगठन मजबूती को लेकर सदस्यों द्वारा सुझाव दिये गये। साथ विभिन्न समितियों के गठन पर विचार हुआ। और संघ के संरक्षक व पूर्व अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह कटियार द्वारा रोहिताश्व शर्मा को पुनः तीसरी बार अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव रखा गया जिसे सभी सदस्यों द्वारा सर्व सहमति से ताली बजाकर प्रस्ताव का समर्थन किया गया। उसके साथ ही तीसरी बार रोहिताश्व शर्मा को अध्यक्ष निर्विरोध बनने पर सभी संघ के सदस्यों द्वारा हार फूल मालाऐं पहनाकर भव्य स्वागत कर सहभोज का आनंद लिया गया। इसदौरान लक्ष्मण सिंह कटियार, नीथज शर्मा, सईद खांन, संजय रघुवंशी, शुभम शर्मा, रूपेश यादव, प्रमोद साहू, संजय यादव, सुरेन्द्र रघुवंशी, अजमल खांन,कृष्ण चंद्र पटेल, अभिषेक कुशवाह, नसीम गौरी, नईम गौरी ,रिंकु सुमन, ऋषि शर्मा, आदेश बड़सरे, चंद्रेश सैनी, मोहन रघुवंशी, कुलदीप जैन, संतोष जैन, युवराज प्रजापति, प्रदीप प्रजापति, रवि विश्वकर्मा, देवेन्द्र पटेल, रेवाराम कुशवाह, अनिल यादव, अक्षय अहिरवार, जितेन्द्र जैन, फरहान खांन आदि मौजूद रहे।

अशासकीय विद्यालयों के उन्मुखीकरण पर कार्यशाला आयोजित

शासन के दिशा निर्देशों के क्रियान्वयन में कोई कोताही ना बरती जाए : कलेक्टर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा अशासकीय विद्यालयों के उन्मुखीकरण तथा विभागीय प्रावधानों से अवगत कराने हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन शनिवार को रवीन्द्रनाथ टैगोर ऑडिटोरियम विदिशा में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलित कर कार्यशाला का शुभांरभ किया गया।

जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता रघुवंशी ने कार्यशाला को अति महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि शिक्षा के उन्मुखीकरण के लिए जिले में किए जा रहे नवाचार अनुकरणीय है। अशासकीय विद्यालयों में अब पहले से अधिक पारदर्शिता रेखांकित होगी। शासन के नियमो का पालन कर हम जिले के बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर सुविधाएं मुहैया कराएंगे। कार्यशाला का राकेश शर्मा तथा अशासकीय विद्यालय संगठन के अध्यक्ष मानसिंह ने भी सम्बोधित किया। कलेक्टर ने जिले के सभी अशासकीय विद्यालयों के संचालको से कहा है कि विद्यालयों के उन्मुखीकरण हेतु शासन द्वारा जो दिशा निर्देश जारी किए गए है के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की कोताही ना बरतें। संचालको की मूलभूत समस्याओं से अवगत होकर उनका समाधान कराने के सफल प्रयासो को ध्यानगत रखते हुए उक्त कार्यशाला का आयोजन किया गया है ऐसे विषय जिनका निराकरण जिला स्तर पर संभव है उनका निराकरण यथाशीघ्र हो वहीं राज्य स्तरीय अधिकार क्षेत्र की बिन्दुओं के निराकरण हेतु समयावधि में पत्राचार कर उसका फालोअप लिया जाए। उन्होंने कहा कि शिक्षको की केपेस्टिी में बढोतरी हो तकनीकी शिक्षा का कैसे बेहतर उपयोग किया जाए, खेल-खेल में अध्यापन कार्य हो, अधोसंरचना कार्यो के माध्यम से बुनियादी सुविधाओं की पूर्ति हो। कलेक्टर ने कहा कि किसी भी अशासकीय विद्यालय के द्वारा बच्चो और अभिभावको को किसी खास दुकान से किताबे लेने, स्कूली सामग्री खरीदने के लिए वाध्य नहीं किया जाएगा। उक्त व्यवस्था का क्रियान्वयन पूर्णत विकेन्द्रीकरण को ध्यानगत रखते हुए किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बच्चों को स्कूलो तक आने जाने के संसाधनों में किसी भी प्रकार की त्रुटि ना हो का ध्यान संबंधित शैक्षणिक संस्था को भी रखना होगा। छोटे बच्चो को बहुत रिस्क तरीको से आटो वाहनो के द्वारा लाना ले जाना किया जा रहा है इस और शैक्षणिक संस्था खासकर स्कूल मैनेजमेंट अब तक ध्यान नहीं दे रहा है। जो उचित नहीं है। सभी बच्चे अनमोल है। उन्हें अच्छा वातावरण स्कूल में ही ना मिले बल्कि आने जाने के दौरान भी मिले। स्कूलो के बाहर असामाजिक तत्वों के द्वारा किसी भी प्रकार की संदेहप्रद गतिविधियां ना कर पाए इसके लिए उन्होंने सीसी कैमरे स्कूलो में लगाए जाने पर जोर दिया है। इससे पहले कार्यशाला आयोजन के उद्धेश्यो को डीपीसी के द्वारा विस्तारपूर्वक रेखांकित किया गया। जिसमें मान्यता प्राप्त के लिए प्रावधान अंतर्गत बताया गया कि कक्षा एक से आठ तक के लिए जिला शिक्षा केन्द्र, कक्षा नौ से 12 के लिए जिला शिक्षा अधिकारी के माध्यम से लोक शिक्षण संचालनालय के द्वारा दी जाती है इसी प्रकार मदरसा की मान्यता के प्रावधानो से अवगत कराया गया है।

कार्यशाला में गैर अनुदान प्राप्त अशासकीय एमपी बोर्ड की मान्यता के लिए निर्धारित मापदण्डो के अलावा फीस विनियमन अधिनियम 2017 संशोधन 2020 के प्रावधानो तथा फीस वृद्धि एवं अन्य शिकायतो के निराकरण हेतु जारी दिशा निर्देशो की बिन्दुओं से अवगत कराया गया है। गौरतलब हो कि जिले में पहली बार अशासकीय संस्थाओं के संचालको की मूलभूत समस्याओं से अवगत होते हुए उनके निराकरण और अशासकीय संस्थाओं के नियंत्रण हेतु किए गए प्रावधानो से अवगत कराया गया है। कार्यशाला में पैनलो के माध्यम से विचारोविमर्श कर शैक्षणिक गतिविधियों के बेहतर क्रियान्वयन कराने के लिए शासन द्वारा जारी किए गए नवीन दिशा निर्देशो का अक्षरशः पालन करने पर सहमति व्यक्त की गई। कार्यशाला में पृथक-पृथक निर्धारित विषयों के पैनल सदस्यों के द्वारा शैक्षणिकमुखी सुझावो से अवगत कराया गया जिन पर शैक्षणिक सत्रो में अनुपालन करने के पर सहमति दी गई है।

विदिशा जिले में संचालित अशासकीय शालाओं के नियमानुसार संचालन को सुनिश्चित करने के लिए शाला संचालकों का उन्मुखीकरण सह कार्यशाला में जिन बिंदुओं पर विचार-विमर्श पैनल डिस्कसन कर निर्णय लिए जाएंगे ततसंबंध में निर्धारित विषयानुसार निजी विद्यालय फीस अधिनियम 2017 एंव संबंधित विषय (निजी विद्यालय फीस अधिनियम, फीस अपलोड करना, ड्रेस एवं किताबों की सूची एवं उपलब्धता, मान्यता शर्ते (9-12), अन्य संबंधित विषय के लिए सूत्रधार जिला शिक्षा अधिकारी होंगे जबकि छह पैनलिस्टों में उत्कृष्ट विद्यालय विदिशा के प्राचार्य के. सिंह,वात्सल्य सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल के प्रबंधक राकेश सिंह, एन.जी.एम सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल से संजय पाडे,मगदम इंटरलेशनल स्कूल से सोमिल पलोड,ओलंपस हाई स्कूल से मोहित रघुवंशी,नवांकुर विद्यापीठ से शैलेन्द्र दीक्षित शामिल होंगे।

नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति एंव आर.टी.ई प्रावधान, मान्यता शर्ते (1-8) की प्रस्तुतीकरण जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा की जायेगी उक्त विषय के पैनलिस्टों में आशीष भारती राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल से राकेश पांडे, प्रगति पब्लिक स्कूल विदिशा के मानसिंह, सरस्वती शिक्षा मंदिर से संजेश शर्मा, नाइंस एकेडमी विदिशा से सौरभ मिश्रा, डॉल्फिन स्कूल बासौदा तथा श्याम स्कूल गुलावगंज से सौरभ मिश्रा शालाओं में यौन हिंसा जागरुकता एवं रोकथाम विषय की प्रस्तुति महिला एवं बाल विकास के जिला कार्यक्रम अधिकारी भरत सिंह राजपूत के द्वारा प्रस्तुत की गई। उक्त विषय के लिए पैनल में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत चैबे के अलावा, स्प्रिंगफील्ड स्कूल विदिशा से योगेन्द्र राना, एमीनेंट पब्लिक हाई स्कूल विदिशा से सुनील अग्रवाल, ट्रिनिटी सीनियर कान्वेंट स्कूल विदिशा, सरस्वती शिशु मंदिर तलैया विदिशा, सेंटमैरी सीनियर सेकेन्ड्री स्कूल विदिशा के प्रतिनिधि ने जानकारियां सांझा की।

शालाओं में परिवहन व्यवस्था संबंधी प्रावधान एवं सावधानियां पर आधारित विषय के प्रस्तुति सूत्रधार क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी होंगे जबकि इस विषय के पैनल में जिन आमंत्रित सदस्यों द्वारा विचारों की अभिव्यक्ति प्रस्तुत करेंगे उनमें सी.एम राईज गंगरवाडा के प्राचार्य ज्योति प्रकाश नेमा, मानसरोवर एकेडमी के रवि व्यास, सनराइजर्स स्कूल के वी.पी सिंह, महारानी अवंतीबाई स्कूल के मेहताब सिंह नरवरिया, ज्ञानोदय विद्यालय गुलाबगंज के गजेन्द्र सिंह लोधी,सरस्वती शिशुमंदिर किला अंदर विदिशा के दिनेश शर्मा ने अपने विचार अभिव्यक्त किए। कार्यशाला में शासन के नवीन प्रावधानो की जानकारियां पावर प्रेजेन्टेशन के माध्यम से प्रस्तुत की गई वहीं ततसंबंध में जिज्ञासाओ का समाधान में विषय विशेषज्ञो के द्वारा किया गया है। उक्त कार्यशाला में संयुक्त कलेक्टर एवं शिक्षा विभाग के लिए नियुक्त नोडल अधिकारी श्रीमती शशि मिश्रा, जिला पंचायत के अतिरिक्त सीईओ पंकज जैन, शिक्षा विभाग के संयुक्त संचालक, जिला शिक्षा अधिकारी ,आरके ठाकुर, जिला परिवहन अधिकारी ,गिरजेश वर्मा, महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी ,भरत सिंह राजपूत के अलावा अशासकीय विद्यालयो के संचालक, प्रतिनिधिगणों के अलावा अन्य विभागो के अधिकारी व शिक्षा विभाग के अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहें।

नाले का निर्माण नपा ने कराया प्रारंभ

अतिक्रमणकारियों को एसडीएम ने फिर समझाया नहीं माने तो बुलडोजर चलेगा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

लगभग एक करोड़ 39 लाख की लागत से नगर पालिका परिषद के द्वारा लंबे इंतजार तथा रहवासियों की मांग पर विधायक उमाकांत शर्मा के प्रयासों के निर्माण के लिए राशि की मंजूरी हो पाई थी इसके बाद इसका कार्य नगर पालिका के द्वारा ठेकेदार के माध्यम से प्रारंभ करवा दिया है इसके निर्माण में अतिक्रमण करने वाले बाधा उत्पन्न करते हुए दिखाई हे प्रशासन इन पर जल्द ही बड़ी कार्रवाई की तैयारी में है।
सरकारी नाले की जगह पर नवीन बसस्टैंड से बासौदा नाके एवं नहर की पुलिया तक सड़क के दोनों ओर कई लोगों ने अवैध रूप से अतिक्रमण कर रखा है । कच्चे पक्के अतिक्रमण को हटाने के लिए नगर पालिका प्रशासन के द्वारा अनाउंसमेंट के माध्यम से सूचना भी करवाई जा रही है।

अतिक्रमण हटाने के लिए चेतावनी दी जा रही है। इसके बाद भी कई लोग अतिक्रमण छोड़ने को तैयार नहीं हो ऐसे अतिक्रमण करने वालों को एसडीएम हर्षल चैधरी के द्वारा दो दिनों से समझने का काम किया जा रहा है कुछ दुकानदार तो मान गए हैं पर नवीन बस स्टैंड के सामने कब्रिस्तान के आगे बड़ी संख्या में लोगों ने अवैध रूप से अतिक्रमण करके कब्जा जमा लिया है। इनको भी एसडीएम ने समझाते हुए कहा कि नाले की जगह से गुमठियां और कच्चे-पक्के निर्माण को हटा ले जिससे कि नाला बनाने में किसी भी तरह का व्यवधान उत्पन्न ना हो प्रशासन की जो भी कोई बात नहीं मानेगा तो उसके अतिक्रमण पर प्रशासन की जेसीबी चलेगी जिसकी जिम्मेदारी अतिक्रमण धारियों की होगी नाले का निर्माण तो सरकारी

जगह पर ही होगा कुछ दलाल किस्म के लोग अतिक्रमण धारियों को यहां से हटाने के लिए मना करना है और कह रहे हैं कि सड़क से लगकर नाला बना लो यदि ऐसा होता तो सड़क छोटी हो जाएगी वैसे ही यहां पर बस स्टैंड होने से यातायात का दबाव रहता है। दलाली करने वाले इन दुकानदारों से शायद कुछ लेते होंगे जिसकी चर्चाएं भी हो रही है। वही अभी ठेकेदार ने दूसरी तरफ से नाले का निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया है एक-दो दिनों में प्रशासन के द्वारा वर्दी की नोक पर अवैध रूप से अतिक्रमण करने वालों पर कार्रवाई करके सरकारी नाले की जगह को खाली करवाने के लिए पूरी तैयारी कर ली है । प्रशासन अमला पहुंचेगी और अतिक्रमण धारियों पर एक तरफ से कार्रवाई करके इसको खाली करवाने का काम करेगा इसके बाद अतिक्रमण धारियों को नुकसान का सामना करना पड़ेगा पड़ेगा टूट-फूट भी होगी सामान भी जप्त होगा इसीलिए अतिक्रमण करने वालों को दलालों की बातों में नहीं आना चाहिए प्रशासन की सीमा रेखा से अपना-अपना अतिक्रमण हटाने में ही फायदा होगा नहीं तो प्रशासन बुलडोजर से इसको हटाने का काम करेगा तो आर्थिक नुकसान के साथ के समान को जप्त करेगा इसमें जो भी खर्चा आएगा उसका भुगतान भी इन्हीं लोगों से वसूलने का काम करेगा इसीलिए ने किसी इनकी बातों में नहीं आना चाहिए पहले भी प्रशासन सख्ती से अतिक्रमण हटा चुका है उस बात का भी सभी को ध्यान रखना चाहिए।

नाला बनने के बाद पानी निकासी की समस्या होगी दूर

अभी मुख्य सड़क पर नाल नहीं होने के कारण पानी निकासी की समस्या का सभी को सामना करना पड़ता है कॉलोनीवासियों का पानी भी निकल पाता है दुकानदारों की दुकानों में भी पानी भरता है इसका काम पूर्ण हो जाने के बाद पानी निकासी की समस्या पूरी तरह से खत्म हो जाएगी। जिसको बनवाने की मांग को लेकर कई बार व्यापारियों ने एसडीएम विधायक और नगर पालिका प्रशासन से भी मांग की थी इसके बाद कई सालों के प्रयासों के बाद विधायक के द्वारा नाले के लिए राशि मंजूर करवाई है। अब उसका काम भी प्रारंभ हो गया पर अतिक्रमण धारी इसके काम में बाधा डालना है। जबकि इन लोगों को जनहित में सरकारी जगह से अतिक्रमण छोड़कर नाल निर्माण का स्वागत करना चाहिए क्योंकि बरसात के दिनों में निकासी की जो समस्या होती है उससे निजात मिल जाएगी यदि विरोध करेंगे तो प्रशासन अधूरा

बीसीसीआई ज्वाइंट सेक्रेटरी चुनाव के लिए 1 मार्च को एसजीएम, मुंबई हेडक्वार्टर में होगी बैठक, स्टेट एसोसिएशन को नोटिस भेजा गया

न्यूयार्क. एजेंसी

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने नए ज्वाइंट सेक्रेटरी के चुनाव के लिए स्पेशल जरनल मीटिंग बुलाई है। एसजीएम 1 मार्च को मुंबई में होगी। पिछले महीने जय शाह की जगह बीसीसीआई सेक्रेटरी के रूप में चुने गए देवजीत सैकिया के बाद से ज्वाइंट सेक्रेटरी का पद खाली है। बीसीसीआई के संविधान के अनुसार, इस पद को 45 दिनों के भीतर भरना होगा। स्टेट एसोसिएशन को एक स्लरूनोटिस भेजा सेक्रेटरी सैकिया की ओर से बीसीसीआई ने स्टेट एसोसिएशन को एक नोटिस भेजा गया। नोटिस में कहा गया है कि चुनाव मुंबई में बीसीसीआई हेड क्वार्टर में दोपहर 12 बजे होंगे। आमतौर पर स्लरूबुलाने के लिए 21 दिन का नोटिस देना होता है और बीसीसीआई ने वैधानिक आवश्यकता का पालन किया है। दो महीने से भी कम समय में दूसरी एसजीएम यह दो महीने से भी कम समय में दूसरी एसजीएम है। पिछला चुनाव 12 जनवरी को हुआ था, जब नए सचिव (सैकिया) और नए कोषाध्यक्ष (प्रभतेज सिंह भाटिया) का चुनाव किया था। दोनों निर्विरोध चुने गए थे। संयुक्त सचिव पद के लिए भी कोई मुकाबला होने की संभावना नहीं है। नामांकन दाखिल करने से पहले आम सहमति बन जाएगी। पश्चिम क्षेत्र से किसी उम्मीदवार को यह पद मिलने की संभावना है। देवजीत सैकिया ही बीसीसीआई के सेक्रेटरी बनेंगे देवजीत सैकिया को इसी साल 12 जनवरी को बीसीसीआई का सेक्रेटरी चुना गया था, जबकि प्रभतेज सिंह भाटिया को कोषाध्यक्ष चुना गया। दोनों रविवार को बीसीसीआई की स्पेशल जरनल मीटिंग में निर्विरोध चुने गए थे। इन दोनों के अलावा किसी और ने नॉमिनेशन फॉर्म नहीं भरा।

लवलीना ने जीता स्वर्ण, थापा को रजत से करना पड़ा संतोष

देहरादून. एजेंसी

टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन ने यहां आयोजित राष्ट्रीय खेलों में महिला मुक्केबाजी के 75 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीत लिया। असम की लवलीना ने चंडीगढ़ की प्रांशु राठौड़ को 5-0 से हराया। पुरुषों के लाइट वेल्टरवेट वर्ग में शिवा थापा को सेना के वंशज के हाथों 4-3 से हार झेलनी पड़ी। **जैस्मीन भी विजेता:** सेना की जैस्मीन लंबोरिया ने महिलाओं के 60 किग्रा भार वर्ग में हरियाणा की मनीषा मौन को 5-0 से शिकस्त दी।

पूर्व क्रिकेटर साईराज राजस्थान रॉयल्स के स्पिन कोच होंगे

बोले-रॉयल्स से जुड़ने के लिए उत्साहित हूं...

पेरिस. एजेंसी

पूर्व भारतीय स्पिनर साईराज बहुतुले आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स से एक बार फिर से जुड़ेंगे। वे टीम के स्पिन कोच होंगे। बहुतुले अभी तक नेशनल क्रिकेट एकेडमी में प्लेयर्स को ट्रेनिंग देते थे। राहुल द्रविड़ की कोचिंग में बहुतुले ने भारतीय टीम के स्पिन सलाहकार के रूप में काम किया था। वे 2018 से 2021 आईपीएल सीजन में रॉयल्स के लिए स्पिन कोच थे। बहुतुले ने भारत के लिए डेब्यू 1997 में श्रीलंका के खिलाफ किया था। राहुल द्रविड़ के साथ काम करेंगे राजस्थान टीम में साईराज गेंदबाजी कोच न्यूजीलैंड के शेन बॉन्ड के साथ काम करते दिखेंगे। टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ हैं। बहुतुले ने क्रिकबज से कहा, टीम और मेरे बीच डिस्कसन जारी है। मैं फ्रेंचाइजी के साथ जुड़ने के करीब हूं। अभी भी कुछ जगहों पर काम किया जाना बाकी है। रॉयल्स के साथ फिर से जुड़ने के लिए उत्साहित हूं। राहुल के साथ काम करना हमेशा से अच्छा रहा है। राहुल ने ही मुझे 2023 में पिछली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज के समय भारतीय टीम से जोड़ा था, जब मैंने स्पिन-गेंदबाजी कोच के रूप में काम किया था। मैं श्रीलंका में उनके कोचिंग स्टाफ का भी हिस्सा था।

भारत के लिए 2 टेस्ट और 5 वनडे खेले 52 साल के बहुतुले जिन्होंने भारत के लिए 2 टेस्ट और 5 वनडे मैच खेले हैं। वे पूरे साल रॉयल्स में शामिल नए बॉलर्स को कोचिंग देंगे। रॉयल्स ने आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में इंग्लैंड के जोफ्रा आर्चर, तुषार देशपांडे, संदीप शर्मा, आकाश मधवाल और फजलहक फारूकी को खरीदा था। टीम ने श्रीलंकाई स्पिनर महेश तीक्षणा, वनिंदु हसरंगा और कुमार कार्तिकेय को टीम में शामिल किया है। आरआर के मालिक द हंड्रेड लीग में टीम खरीद सकते हैं मीडिया के रिपोर्ट्स में ऐसी अटकलें बढ़ रही हैं कि राजस्थान रॉयल्स के प्रमुख मालिक मनोज बडाले द हंड्रेड लीग में बोली लगा सकते हैं। ट्रेंट रॉकेट्स टीम के लिए वे बोली लगा सकते हैं।

नॉटिंघम-आधारित टीम ट्रेंट रॉकेट्स की सोमवार को बोली लगेगी। ऐसे में माना जा रहा है कि यूनाइटेड किंगडम में रहने वाले बडाले इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड की 100-बॉल टूर्नामेंट में इस टीम को खरीद सकते हैं। कैरेबियन और साउथ अफ्रीका लीग में 1-1 टीमें मनोज बडाले कैरेबियन प्रीमियर लीग और साउथ अफ्रीका लीग ड्र20 में 1-1 टीमें खरीद चुके हैं। एसए 20 में उन्होंने (पार्ल रॉयल्स) और सीपीएल में (बारबाडोस रॉयल्स) खरीदी हैं। बडाले के अलावा, कुछ और आईपीएल फ्रेंचाइजी मालिक द हंड्रेड लीग पर बोली लगा सकते हैं। आठ हंड्रेड लीग टीमों में से 6 बिक चुकी हैं। 2 टीम साउदर्न ब्रेव और रॉकेट्स बची हुई हैं।

विराट कोहली के 329 इंटरनेशनल कैच पूरे

रोहित सबसे ज्यादा वनडे सिक्स लगाने वाले दूसरे बैटर, फास्टेस्ट सेंचुरी लगाई

कटक. एजेंसी

कटक वनडे में भारत ने इंग्लैंड को 4 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ टीम ने सीरीज में 2-0 की अजेय ब?त ले ली। कप्तान रोहित ने वनडे में 16 महीने बाद शतक लगाया। उनके शतक की बदौलत भारत ने 305 का लक्ष्य 44.3 ओवर में हासिल कर लिया।

रविवार को रिकॉर्ड्स का दिन रोहित के नाम रहा। रोहित वनडे में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए। उन्होंने अपनी सेकेंड फास्टेस्ट सेंचुरी भी लगाई। साथ ही, जो रूट ने वनडे में इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा फिफ्टी लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया।

इंग्लैंड के लिए टेस्ट और वनडे में सबसे ज्यादा फिफ्टी लगाने का रिकॉर्ड जो रूट के नाम हो गया। रूट ने टेस्ट में 101 और वनडे में 56 अर्धशतक लगाए हैं। वहीं टी-20 में जोस बटलर ने 27 फिफ्टी लगाई हैं। इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ इस दौरे पर अब तक 5 टी-20 और 2 वनडे मैच खेले। टीम ने हर मैच में 9 या उससे ज्यादा विकेट गंवाए। कप्तान रोहित शर्मा ने 11 इंटरनेशनल मैचों के बाद कोई बड़ी पारी खेली। उन्होंने रविवार को 119 रन बनाए।

वनडे में इंग्लिश टीम ने 99वीं बार 300+ स्कोर बनाया। टीम ने 28वीं बार 300+ रन बनाकर मैच भी गंवाया। वहीं भारत ने 136 बार 300 से ज्यादा रन बनाए, टीम को 27 में हार मिली। इंग्लैंड की वर्ल्ड कप 2023 के बाद से वनडे में लगातार चौथी सीरीज हार है। टीम ने पिछले 20 साल में भारत में लगातार सातवीं वनडे सीरीज गंवाई है। रोहित शर्मा बतौर कप्तान 50 वनडे मैचों में से 36 जीत चुके हैं।

भारत के लिए सबसे ज्यादा उम्र में डेब्यू : भारत ने अपना पहला वनडे मैच 1974 में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। उस मैच से फारुख इंजीनियर ने 36 साल की उम्र में अपना डेब्यू किया था। वे वनडे में भारत के लिए डेब्यू करने वाले सबसे उम्रदराज प्लेयर हैं। दूसरे नंबर पर वरुण चक्रवर्ती हो गए, जिन्होंने 33 साल 164 दिन की उम्र में डेब्यू किया।

रोहित वनडे में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले दूसरे बैटर : वनडे क्रिकेट में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए। वे 258 इनिंग में 338 सिक्स लगा चुके हैं। रिकॉर्ड में पहले नंबर पर पाकिस्तान के शहीद अफरीदी हैं, जिन्होंने 369 इनिंग में 351 छक्के लगाए हैं।

विराट के इंटरनेशनल क्रिकेट में 329 कैच पूरे: विराट कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ कटक में 2 कैच लिए। उनके अब इंटरनेशनल क्रिकेट में 329 कैच पूरे हो गए हैं। विराट, राहुल द्रविड़ के बाद दूसरे भारतीय हैं, जिन्होंने 300 से ज्यादा कैच लिए हैं। रिकॉर्ड में पहले नंबर पर श्रीलंका के महेला जयवर्धने हैं, जिनके नाम 440 कैच हैं।

रूट ने इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा वनडे फिफ्टी लगाई: सीनियर प्लेयर जो रूट अब इंग्लैंड के लिए वनडे में सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने वाले प्लेयर बन गए हैं। वे 162 इनिंग में 56 फिफ्टी लगा चुके हैं। रूट ने पूर्व कप्तान ऑएन मॉर्गन को पीछे छोड़ा, जिनके नाम 55 फिफ्टी हैं।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

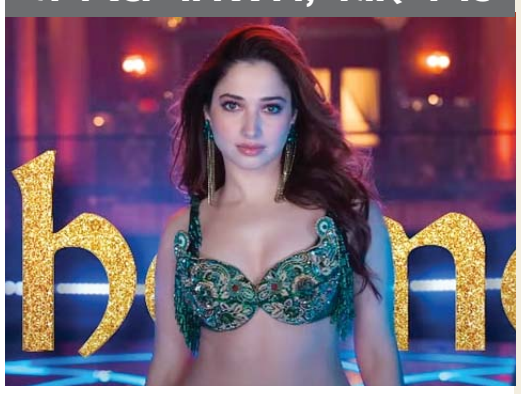

'आज की रात' गाना करने से पहले कतरा रही थीं तमन्ना लग रहा था रिस्की, बताई वजह

'स्त्री 2' के गाने 'आज की रात' से तमन्ना भाटिया ने प्रशंसकों के दिलों को चुरा लिया। उनकी अदाओं ने फैंस की रातों की नींद उड़ा दी है। फिल्म के साथ यह गीत भी हिट रहा। इस गीत को लेकर अभिनेत्री ने एक खुलासा किया है। दरअसल वह इस गाने को लेकर थोड़ी आशंकित थीं। आइए जानते हैं अभिनेत्री आखिर क्यों इस गाने को लेकर आशंकित थीं? रिपोर्ट्स के मुताबिक ग्राजिया इंडिया से बात करते हुए तमन्ना ने कहा, कावाला की सफलता के बाद 'स्त्री 2' के लिए गाना करना बहुत जोखिम भरा लगा। मैंने सोचा, 'क्या मैं जो पहले ही कर चुकी हूं, उससे बेहतर कर पाऊंगी?' अभिनेत्री ने खुलासा किया कि निर्देशक अमर कौशिक ने उनसे मुलाकात की और उन्हें समझाया कि यह विशेष गीत कहानी के लिए काफी महत्वपूर्ण है। इसके बाद अभिनेत्री को लगा कि यह गाना उन्हें यह करना है। फिल्म का यह गीत 'आज की रात' हर जगह चर्चा में है, पिछले साल दिग्गज रजनीकांत के साथ तमन्ना का 'कावाला' दुनियाभर में हिट रहा था। हाल ही में, तमन्ना को कई फिल्मों में मुख्य भूमिकाओं से ज्यादा या तो विशेष भूमिकाएं निभाते हुए या फिर एक लंबा कैमियो करते हुए देखा गया है। तमन्ना ने कहा कि वह किसी एक ही दायरे में सीमित नहीं रहना चाहती हैं। जब लोगों ने उन्हें सहायक रोल निभाने वाली के रूप में स्टीरियोटाइप करना शुरू किया, तो तमन्ना ने तुरंत ऐसे किरदार चुनना शुरू कर दिया, जिसकी लोगों ने कभी उम्मीद नहीं की थी। अभिनेत्री ने कहा, 'मैं कभी भी किरदार की स्क्रीन टाइम पर ध्यान केंद्रित नहीं करती थी। मैं बस यही चाहती थी कि लोग मुझे याद रखें।' तमन्ना के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह 'स्त्री 2' में देखी गईं। वहीं, उन्होंने 'वेदा' में काम किया। फिल्म 'स्त्री 2'और 'खेल खेल में' के साथ बॉक्स ऑफिस पर टकराईं। तमन्ना के आगामी कार्यों की बात करें तो वह तेलुगु सुपरनैचुरल थ्रिलर 'ओडेला 2' और वेब शो 'डेयरिंग पार्टनर्स' में नजर आएंगी।

किंग खान के बाद दबंग के साथ एक्शन फिल्म बनाएंगे एटली, साथ नजर आएंगे कमल हासन

बॉलीवुड में लगतार कोई ना कोई फिल्म रिलीज होती रहती हैं। लेकिन जब बात दो सुपरस्टार के साथ आने की होती है तो फिल्म प्रशंसक बेहद खुश हो जाते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक आगामी परियोजना में सलमान खान और कमल हासन एक साथ नजर आ सकते हैं, जिसका निर्देशन 'जवान' फिल्म के निर्देशक एटली करेंगे। अगर ऐसा होता है तो यह तीनों की एक साथ पहली सहयोगात्मक फिल्म होगी। तमिल सिनेमा के मशहूर फिल्ममेकर एटली ने फिल्म जवान के जरिए हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में धमाकेदार एंट्री की थी। फिल्म में शाहरुख खान ने मुख्य भूमिका निभाई थी। फिल्म जवान ने बॉक्स ऑफिस पर 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई करते हुए जबरदस्त सफलता हासिल की थी। किंग खान के बाद अब एटली दबंग खान के साथ फिल्म बनाने की योजना बना रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एटली अब सलमान खान और कमल हासन को लेकर एक फिल्म पर विचार-विमर्श कर रहे हैं। अगर सबकुछ सही रहता है तो वह जल्द ही एक और हिंदी फिल्म बनाएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस फिल्म में सलमान खान और कमल हासन का धमाकेदार एक्शन भी होगा। यानी अब एटली अपनी दूसरे हिंदी प्रोजेक्ट के लिए कमर कस रहे हैं। एटली अपने अगले हिंदी प्रोजेक्ट के लिए सलमान खान के साथ काम करेंगे। जिस तरह से उन्होंने फिल्म जवान में शाहरुख खान के अलावा नयनतारा और विजय सेतुपति जैसे तमिल सितारे अहम भूमिका में थे, उसी तरह एटली निर्देशित इस फिल्म में भी तमिल सुपरस्टार कमल हासन होंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एटली अपने नए प्रोजेक्ट के लिए कमल हासन और सलमान खान को साथ ला रहे हैं। फिल्मांकन अगले साल जनवरी में शुरू हो सकता है।

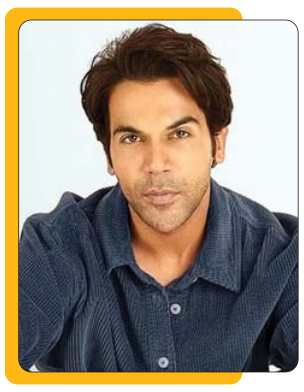

पत्रलेखा के प्यार में लखनऊ से शिलांग पहुंच थे राजकुमार

कहते हैं कि किसी पर जब प्यार का सुरूर चढ़ता है, तो उसे किसी भी बात का ख्याल नहीं रहता। ऐसा ही कुछ 'स्त्री 2' के अभिनेता राजकुमार राव ने अपनी पत्नी पत्रलेखा के प्यार में किया है। राजकुमार राव ने साल 2010 में आई फिल्म 'लव सेक्स और धोखा' से डेब्यू किया और यह वही साल था जब वह पत्रलेखा के साथ रिलेशनशिप में आए। लेकिन क्या आप जानते हैं की पत्रलेखा के प्यार में राजकुमार राव ने क्या किया था? हाल ही में राज शमनी के साथ एक साक्षात्कार में अभिनेता ने खुलासा किया कि 'बरेली की बर्फी' की शूटिंग के दौरान उन्हें आधे दिन का ब्रेक मिला था। अभिनेता ने सोचा कि क्यों न अपनी प्रेमिका को सरप्राइज दिया जाए? उन्होंने लखनऊ से दिल्ली, फिर दिल्ली से गुवाहाटी और फिर शिलांग पहुंचकर पत्रलेखा से मुलाकात की। राजकुमार राव ने आगे कहा, 'मैंने कहा, मैं यह मौका लूंगा। मैंने अपना काम शाम चार बजे खत्म किया और अगले दिन कॉल का समय दोपहर दो बजे था, इसलिए मैंने कहा कि मैं अभी चलता हूं। मैं किसी तरह वहां पहुंचा और उसके साथ एक घंटा बिताया। वह बिल्कुल हैरान थीं, 'तुम लखनऊ से शिलांग सिर्फ एक घंटे के लिए आए हो?' मैंने कहा, 'हां, मैं बस तुमसे मिलना चाहता था। मैं तुम्हें देखना चाहता था'। उसी साक्षात्कार में अभिनेता ने साझा किया कि वह एक बार भारी बारिश में मुंबई हवाई अड्डे से अंधेरी तक भागे क्योंकि, वहां ट्रैफिक था और वह नहीं चाहते थे कि पत्रलेखा इंतजार करें। अभिनेता ने कहा, मुझे लोगों को अपने लिए इंतजार करवाते देखना पसंद नहीं है। उस दिन बारिश हो रही थी और बहुत सारे ट्रैफिक जाम थे। मैं लगभग वहां से यहां तक भागा।' बता दें कि राजकुमार राव और पत्रलेखा ने 15 नवंबर, 2021 को शादी कर ली। वर्क फ्रंट की बात करें तो राजकुमार राव को हाल ही में 'स्त्री 2' में देखा गया। फिल्म ने कई सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए और प्रशंसकों का दिल जीतने में भी कामयाब रही।

मेट्रो बाजार

रिपोर्ट: पिछले एक साल में भारत के अरबपतियों की संपत्ति बढ़ी

नईदिल्ली. एजेंसी

भारत की इकोनॉमी दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ रही है। इसके साथ ही देश में अमीरों की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है। फॉर्च्यून इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, इस समय देश में 185 ऐसे लोग हैं जिनकी नेटवर्थ एक अरब डॉलर यानी करीब 8,400 करोड़ रुपए से अधिक है। इन लोगों की कुल नेटवर्थ 1.19 ट्रिलियन डॉलर यानी करीब 100 लाख करोड़ रुपए पहुंच चुकी है, जो भारत की जीपीडी के एक-तिहाई से भी ज्यादा यानी 33.81 फीसदी के बराबर है। पिछले तीन साल में रईसों की संपत्ति 50 फीसदी तेजी आई है। वैश्विक आर्थिक चुनौतियों और डॉलर के मुकाबले रुपए में 5 फीसदी तक

गिरावट के बावजूद अरबपतियों की संपत्ति में यह इजाफा हुआ है। फॉर्च्यून इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, देश के टॉप 10 अमीरों में केवल एक महिला सावित्री जिंदल शामिल हैं। वे देश की चौथी सबसे अमीर व्यक्ति हैं। अरबपतियों की लिस्ट में इस साल 29 नए नाम जुड़े हैं। इनमें जोहो कॉरपोरेशन के श्रीधर वेंबू, शेखर वेंबू और राधा वेंबू शामिल हैं। अग्रवाल कोल कॉरपोरेशन के विनोद कुमार अग्रवाल, अपर इंडस्ट्रीज के कुशल नरेंद्र देसाई और चैतन्य नरेंद्र देसाई, श्याम मेटालिक्स एंड एनर्जी के महाबीर प्रसाद अग्रवाल और बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल के शिव रतन अग्रवाल और दीपक अग्रवाल को भी इस लिस्ट में जगह मिली है। देश में अमीर लगातार बढ़ रहे हैं। 2.32 लाख करोड़ के नेटवर्थ के साथ दिलीप सांघवी सबसे धनी फार्मा बिजनेसमैन, साइरस पूनावाला 1.71 लाख करोड़ के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

प्याज उत्पादन 19% बढ़ेगा, आलू-टमाटर में भी इजाफा

नईदिल्ली. एजेंसी

सब्जियों की महंगाई में बड़ी भूमिका निभाने वाले प्याज, टमाटर और आलू की पैदावार चालू फसल वर्ष में बढ़ने की उम्मीद है। कृषि मंत्रालय ने 2024-25 के लिए जारी अपने पहले अनुमान में कहा, 25 जून को समाप्त होने वाले चालू फसल वर्ष में प्याज का उत्पादन 19 फीसदी बढ़कर 288.77 लाख टन पहुंच सकता है। एक साल पहले की समान अवधि में 242.67 लाख टन प्याज का उत्पादन हुआ था। मंत्रालय के मुताबिक, टमाटर का उत्पादन करीब 215.49 लाख टन रह सकता है, जो एक साल पहले के 213.23 लाख टन की तुलना में 1.06 फीसदी अधिक है। चालू फसल वर्ष में 595.72 लाख टन आलू की पैदावार होने की उम्मीद है, जो एक साल पहले की तुलना में 25 लाख टन अधिक है। 2.48 लाख टन बढ़ेगा फलों का उत्पादन- अनुमान के मुताबिक, फलों का कुल उत्पादन 2.48 लाख टन बढ़कर 1,132.26 लाख टन पहुंच सकता है। आम, अंगूर और केले का उत्पादन बढ़ने से यह वृद्धि संभव है। बागवानी फसलों का उत्पादन 176.66 लाख टन से बढ़कर 179.37 लाख टन पहुंचने की उम्मीद है।

सोयाबीन व तेल की कीमतों में इजाफा

नईदिल्ली. एजेंसी

आवक कम होने के साथ प्लांटों की ऊंचे भाव खरीदी से सोयाबीन के भाव में सुधार आया। सोया खली के भाव भी तेज रहे। सोयाबीन में आए सुधार व विदेशी बाजारों में तेजी से घरेलू स्तर पर सोया तेल के दाम तेज रहे। देश की मंडियों में सोयाबीन की कुल 1.50 बोरी आवक हुई। सरसों की देश में कुल 4 लाख बोरी आवक बताई गई। लोगों को महंगाई की मार भी झेलनी पड़ रही है। खाद्य तेलों की कीमतों में पिछले एक वर्ष के दौरान भारी इजाफा हुआ है। सबसे ज्यादा खपत वाले सोयाबीन तेल की कीमत तो एक साल में लगभग दोगुना हो गई है। वहीं सरसों, मूंगफली, सूरजमुखी तेल के दाम भी खूब बढ़े हैं। जानकारों की मानें तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में खाद्य तेल की कीमत बढ़ने की वजह से देश में यह तेजी आई है। खाद्य तेलों के मामले में भारत अपनी आधी से लेकर तीन-चौथाई तक जरूर विदेश से आने वाले कच्चे खाद्य तेल से पूरी करता है। भारत में खाद्य तेल की मांग का बहुत कम हिस्सा घरेलू आपूर्ति से पूरा हो पाता है। रिफाइंड तेल में मिलाए जाने वाले कई जरूरी रसायनों की आपूर्ति प्रभावित होने से भी दामों में इजाफा हुआ है।

दो घंटे देरी से चल रही थी बस, समय कवर करने के लिए दौड़ा रहा था ड्राइवर

ओवरटेक कर रही क्रेटा को बचाने डिवाइडर से टकराकर पलटी बस, 12 सवारी घायल

मिसरोद में नर्मदापुरम सड़क पर शनि मंदिर और केपिटल मॉल पंप के बीच हुआ हादसा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम सड़क पर शनि मंदिर और केपिटल मॉल के बीच मुख्य सड़क पर शनिवार देर रात क्रेटा एसयूवी को टक्कर मारने के बाद यात्री बस पलट गई। हादसा ओवरटेक कर रही क्रेटा को बचाने के प्रयास में हुआ। क्रेटा को टक्कर लगने के बाद बस डिवाइड से टकराते हुए पलटी थी। हादसे के समय बस में पचास यात्री थी। इनमें 12 यात्रियों को चोट आई और उन्हें जय प्रकाश, एम्स और आसपास के अस्पताल में इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रधान आरक्षक दीपक शुक्ला ने बताया कि रमाशिव ट्रैवल्स की बस, इंदौर से बनारस जाती है। शनिवार को बस दो घंटा लेट हो गई। बस को भोपाल से रात दस बजे निकलना था, लेकिन देरी होने कारण बस 12 बजे निकली। यात्रा में हुई देरी को कवर करने बस ड्राइवर बस को तेज चला रहा था। दानिश तिराहा से से निकलकर बस शनिवार मंदिर और केपिटल मॉल के बीच पहुंची थी। रात करीब 12 बजे के आसपास बस के सामने ट्रक चल रहा था, जबकि पीछे क्रेटा एसयूवी थी।

क्रेटा एसयूवी को ड्राइव कर रहे युवक ने बांई ओर से बस को ओवरटेक करने का प्रयास किया। सामने ट्रक चल रहा था और इस प्रयास में बस से कार की टक्कर हो गई। टक्कर होते ही बस अनियंत्रित होकर ड्राइवर साइड से डिवाइडर से टकराई और पलट गई।

हादसे में बस में सवार 12 यात्री घायल हो गए जबकि ड्रायवर बस से कूदकर फरार हो गया। सूचना मिलते ही मिसरोद पुलिस और आसपास के थानों से पुलिस पहुंच गई थी। सभी घायलों को जेपी अस्पताल, एम्स और नर्मदा अस्पताल में भर्ती कराया गया था। प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायल अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई थी।

पांच घंटे बाद तीन क्रेन की मदद से सीधी की बस

रात 12 बजे हुए हादसे के बाद राहगीरों ने बचाव कार्य शुरू कर दिया था। कुछ लोगों ने बस में मौजूद यात्रियों को बस से बाहर निकाल लिया, जबकि पुलिस की टीम पहुंची और सभी यात्रियों का सामान उन्हें सुरक्षित सौंपा गया। ट्रैफिक सुचारू रहे इसलिए पुलिस ने बस को हटाने के लिए क्रेन बुलाई थी, लेकिन एक क्रेन से बस सीधी होना मुश्किल था।दो अन्य क्रेन बुलाई गई और सुबह करीब पांच बजे के आसपास बस को सीधा कर थाने ले जाया गया। हादसे के समय क्रेटा एसयूवी में तीन युवक सवार थे। बस पलटने से गाड़ी छोड़कर भाग निकले।

डायल 100 को टक्कर मारकर भागा नशेड़ी स्कॉर्पियो चालक, बेरिकेड्स को भी तोड़ा

भोपाल । रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित राज ढाबा मुर्गी फार्म के पास मुख्य सड़क पर भ्रमण कर रही डायल-100 को स्कार्पियो ने टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद उसे रोकने का प्रयास किया गया तो वह तेज रफ्तार में स्कॉर्पियो लेकर भागने लगा। उसे रोकने पुलिस ने बेरीकेडिंग लगाई तो वह बेरिकेडिंग भी तोड़ते हुए भाग निकला। हालांकि पुलिस उसका पीछा कर रही थी और उसे साक्षी ढाबे के पास रोक लिया गया। वह शराब के नशे में था। पुलिस के अनुसार सुरभि परिसर पटेल कॉलेज के पास रहने वाले 24 साल के रितिक खरे डायल-100 वाहन चलाते हैं। उन्होंने शिकायत करते हुए बताया कि 8 फरवरी की रात 12 बजे थाने से रात्रि गश्त की जा रही थी। गश्त में प्रधान आरक्षक सुरेन्द्र शर्मा और आरक्षक सोहन त्यागी थे। नीलबड़ इलाके में गश्त की जा रही थी। राज ढाबे से थोड़ा आगे मुर्गी फार्म के सामने पहुंचा, तभी पीछे से सफेद रंग की स्कार्पियो कार का चालक अपनी कार से डायल-100 वाहन में टक्कर मार दी। ड्राइवर साइड से टक्कर लगने से डायल-100 वाहन का पिछला बंपर, ड्रायवर साइड वाला साइड ग्लास टूट गया। खरे ने आवाज देकर व इशारे से गाड़ी रोकने का प्रयास किया तो कार का चालक खतरनाक तरीके से चलाता हुआ नीलबड़ की तरफ भाग निकला।

शॉपिंग से लौट रहे किन्नर पर नुकीले हथियार से वार

अपेक्स बैंक तिराहा पर एक्सिस स्कूटर से आए युवकों ने की वारदात

भोपाल, दोपहर मेट्रो

टीटी नगर थाना क्षेत्र स्थित अपेक्स बैंक तिराहा के पास रविवार शाम एक्टिवा सवार किन्नर पर एक्सिस स्कूटर पर आए बदमाशों ने नुकेले हथियार से हमला कर दिया।

अचानक से चलती एक्टिवा पर हुए हमले में किन्नर को बांए हाथ में कंधे के पास गंभीर चोट आई है। पुलिस ने घायल किन्नर की शिकायत पर अज्ञात एक्सिस स्कूटर सवार बदमाशों पर गालीगलौज सहित धारदार हथियार से हमला करने की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है।

पुलिस का कहना है कि शिकायत मिलते ही पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए तो घटना कैमरे में कैद हुई है। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है।

पुलिस के अनुसार अलमीरा उर्फ महक, गुरु पूजा ठाकुर (34) मैनिट कैंपस 6/22 में रहती हैं। यहां रहने वाले किसी व्यक्ति ने उन्हें गोद लिया है। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि दिन के समय वह तलैया इलाके में समाज के साथ रहती है और नेंग मांगकर अपना गुजारा करती है। रविवार दोपहर वह अपने साथी किन्नर सीवी शाक्या के साथ जहांगीराबाद गई थी।

वहां शॉपिंग करने के बाद एक्टिवा से मैनिट परिसर लौट रही थी। अपेक्स बैंक तिराहा क्रॉस होते ही पीछे से आए एक्सिस स्कूटर पर आए युवकों में पीछे बैठे युवक ने कोई नुकेले हथियार से उन पर हमला कर दिया। हमला होने से उन्हें बाएं हाथ में कंधे के पास गंभीर चोट आई है। फिलहाल पुलिस जांच करने में जुटी हुई है।

मुंह पर बांधे हुए थे कपड़ा

पुलिस ने घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाले तो पता चला कि आरोपी मुंह पर कपड़ा बांधे हुए है। पुलिस का कहना है कि स्कूटर और आरोपियों की पहचान की जा रही है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

दो तस्करों से सवा लाख रुपए की 14.01 ग्राम एमडी बरामद

भोपाल । क्राइम ब्रांच की टीम ने श्यामला हिल्स आहता रूस्तम खान की गलियों से दो तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से 14.01 ग्राम एमडी जब्त किया है। जब्त एमडी की कीमत 1 लाख 30 हजार रुपए बताई जा रही है। पुलिस तस्करों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में एफआईआर दर्ज कर एमडी के बारे में पूछताछ कर रही है। क्राइम ब्रांच के अनुसार मुखबिर की सूचना पर आहता रूस्तम खान, श्यामला हिल्स की गलियों से दो युवकों को घेराबंदी कर पकड़ा गया। उनकी पहचान समीरउद्दीन पिता शरीफउद्दीन (20) अनवर मछली के घर के पास बुधवारा तलैया और सोहेल खान पिता अनवर खान (23) मछली के घर के पास बुधवारा तलैया के रूप में की गई। आरोपियों की तलाशी लेने पर उनके पस से प्लास्टिक की कुल 18 छोटी पन्नी मिली। पन्नी में एमडी रखा था। तौलने पर पता चला कि उक्त एमडी 14.01 ग्राम है, जिसकी कीमत अंतरर्राष्ट्रीय बाजार में 1 लाख 30 हजार रुपए है।

दीवार गिरने से बुजुर्ग की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कटारा हिल्स थाना क्षेत्र स्थित 70 क्वार्टर में एक जर्जर मकान की दीवार गिर गई। हादसा शनिवार रात करीब दस बजे के आसपास का है। दीवार गिरने से पास बैठे बुजुर्ग मलबे में दब गए। उन्हें निकालकर पास ही स्थित निजी अस्पताल ले जाया गया, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार रामप्रसाद प्रजापति (85) लहारपुर में 70 क्वार्टर में रहते थे। उनके परिवार में पत्नी के अलावा बेटा है। शनिवार रात बेटा और पत्नी पड़ोस में गई हुए थे। घर पर राम प्रसाद अकेले थे। रात करीब 10 बजे उनके मकान की दीवार भरभराकर गिर गई। दीवार गिरने से राम प्रसाद मलमे में दब गए गए थे। आसपास के लोगों ने तत्काल मलमा हटाया और परिजन की मदद से उन्हें लेकर निजी अस्पताल पहुंचे, लेकिन उनकी मौत हो चुकी थी।

बिजली सब स्टेशन पर ऑपरेटर ने दी जान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सुसाइड नोट बरामद, लिखा खुशी-खुशी अपने आप को भगवान को समर्पित कर रहा हूं

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित वसई गांव में बिजली सब-स्टेशन में रविवार दोपहर कंप्यूटर ऑपरेटर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सब स्टेशन के अन्य कर्मचारी की नजर पड़ते ही उसने इंजीनियर और पुलिस को सूचना दी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया। पुलिस को उसके पास से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उसने अपनी मां को संबोधित करते हुए लिखा कि मैं खुशी-खुशी अपने आप को भगवान को समर्पित कर रहा हूं।

मूलरूप से नजीराबाद निवासी संजय मेहर उर्फ संजू (22) यहां वसई में बिजली सब-स्टेशन में प्राइवेट ऑपरेटर था। रविवार दोपहर ड्यूटी पर आने के बाद उसने पंखे के कुंद में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। साथी कर्मचारियों ने उसे फंदे पर लटका देख पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी अरुण शर्मा ने बताया कि मृतक के पास से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें मृतक ने अपनी मर्जी से आत्महत्या करने की बात लिखी है। सुसाइड नोट में लिखा है कि मैं खुशी-खुशी अपने आप को भगवान को समर्पित कर रहा हूं।

मां से मांगी माफी कहा रोना नहीं

सुसाइड नोट में मां को संबोधित करते हुए संजय मेहर ने सुसाइड नोट में लिखा है कि मां मैं जा रहा हूं। आप सबको ऊपर जाकर बहुत मिस करूंगा। मुझे बहुत रोना आ रहा है। ऊपर जाकर भगवान से कहूंगा कि अगले जनम में भी आपका बेटा बनूं। और हां, आप यह मत सोचना कि किसी लड़की की वजह से या अन्य किसी कारण से आत्महत्या कर रहा हूं। मैं बस खुशी-खुशी अपने आप को भगवान को समर्पित कर रहा हूं। बस इतने ही दिनों के लिए मैं दुनिया में आया था। मेरे मरने का कोई कारण नहीं है। इसका जिम्मेदार मैं खुद हूं। वहीं मृतक के बड़े भाई गणेश मेहर का मामले को संदिग्ध बताते हुए भाई की हत्या की आशंका जताई है। उसका कहना है कि वह घर का लाड़ला था। उसे कोई परेशानी नहीं थी। सुसाइड नोट भी उसने नहीं लिखा है। पुलिस का कहना है कि सुसाइड नोट की हेंड राइटिंग एक्सपर्ट से जांच कराई जा रही है।

जहरीला पदार्थ पीकर युवक ने दी जान कारण अज्ञात, पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच की शुरू

भोपाल। टीलाजमालपुरा में जहरीला पदार्थ पीने से एक युवक की मौत हो गई। उसने करीब छह दिन पूर्व जहरीला पदार्थ पीया था। उसे परिजन हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचे थे, वहां इलाज के दौरान शनिवार सुबह उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। मरने से पूर्व मृतक के बयान नहीं होने से आत्महत्या की वजह साफ नहीं हो सकी है। पुलिस के अनुसार जितेंद्र कुमार पिता दौलत सिंह (25) गांव टीला जमालपुरा में रहता था और प्राइवेट काम करता था। करीब छह दिन पहले उसने जहरीला पदार्थ पी लिया। तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जितेंद्र के बयान दर्ज करने चाहे थे, लेकिन वह बयान देने की स्थिति में नहीं था। शनिवार सुबह उसकी तबीयत बिगड़ी और मौत हो गई।

मेट्रो एंकर 50 हजार में दोस्त की जगह कांस्टेबल भर्ती परीक्षा देने पहुंचा था सिक्योरिटी गार्ड

दिल्ली के रिसोर्ट में रची सॉल्वर बनने की साजिश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राधारमन कॉलेज रातीबड़ में सीएपीएफ (केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल) कॉस्टेबल भर्ती परीक्षा में दूसरे की जगह साल्वर बनकर परीक्षा देने पहुंचे मुन्नाभाई को 15 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

कॉलेज स्टॉफ ने उसे रंगे हाथों पकडड़र पुलिस के हवाले किया था। उसने पूछताछ में बताया कि वह खुद भी प्रतियोगी परीक्षा में बैठने की तैयारी कर रहा है। जिसके स्थान पर वह परीक्षा देने पहुंचा था, उससे उसकी मुलाकात दिल्ली में एक रिसोर्ट में काम करने के दौरान हुई थी। दोनों की दोस्ती हो गई और उसी दौरान दोस्त ने उसे 50 हजार रुपए देने का वादा कर कांस्टेबल भर्ती परीक्षा में साल्वर बनकर बैठने के लिए कहा था। पुलिस के मुताबिक विगत सात फरवरी शुक्रवार को राधारमन ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन कॉलेज रातीबड़ में एसएससी-जीडी कांस्टेबल की परीक्षा के दौरान परीक्षार्थी मनोज गहलोत पुत्र राजवीर गहलोत (23) निवासी पोरसा अंबाह हिंगावली मुरैना के स्थान पर सुनील ठाकुर उसकी परीक्षा देने के लिए उपस्थित हुआ था। फोटो और फेसमैच का मिलान नहीं होने पर उससे पूछताछ की गई। पूछताछ में उसने बताया कि मनोज गहलोत का साल्वर बनकर वह परीक्षा देने आया है। इसके एवज में मनोज ने उसे 50 हजार रुपए देने का वादा किया था। पुलिस का कहना है कि गिरफ्त में आया आरोपी सुनील ठाकुर यहां प्रियंका नगर कोलार में रहता है और किसी एजेंसी के माध्यम से सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी कर रहा था।

कॉलेज के बाहर से फरार हुआ मनोज

विवेचना से स्पष्ट हुआ है कि दूसरा आरोपी मनोज गहलोत भी परीक्षा के दौरान कॉलेज के बाहर इंतजार कर रहा था। परीक्षा के बाद वह सुनील ठाकुर को 50 हजार रुपए दे देगा। लेकिन जैसे ही उसे पता चला कि सुनील पकड़ा गया है, वह फौरन वहां से फरार हो गया। एसआई ओपी रघुवंशी का कहना है कि मनोज के पास दोनों के मोबाइल फोन थे। भागते समय उसने दोनों मोबाइल बंद कर लिए थे। मोबाइल बंद होने के कारण उसकी लोकेशन नहीं मिल पा रही थी। पुलिस की एक टीम मुरैना भी पहुंची है लेकिन मनोज गहलोत मुरैना भी नहीं पहुंचा है। अनुमान है कि वह भोपाल में ही कहीं छिपा हुआ है।

घर के बाहर खेल रहा 12 साल का मासूम लापता

भोपाल, दोपहर मेट्रो

निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित देवकी नगर करोंद में 12 साल का बच्चा संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। परिजन ने उसकी आसपास और परिचित के घर तलाश की, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल सका।

इसके बाद पुलिस को शिकायत की गई। पुलिस ने अज्ञात आरोपी पर अपहरण का मामला दर्ज कर बच्ची की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार कविता तिवारी, देवकी नगर करोंद में दुर्गा मंदिर के पीछे रहती हैं। उनका 12 साल का बेटा कृष्णा तिवारी 7 फरवरी शुक्रवार रात करीब 8 बजे घर के बाहर खेल रहा था। उन्होंने कृष्णा से कहा कि घर आ जाओ। इसके बाद भी वह बाहर खेलता ही रहा। मां ने उसे फटकार लगाते हुए कहा कि रुक पापा के आने के बाद उन्हें बताती हूं। यह सुनने के बाद भी वह घर के बाहर खेलता रहा और एकाएक लापता हो गया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022